दैनिक राष्ट्रीय शुभ प्रभात गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, शनिवार 14 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 148 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बिहार के हाजीपुर में छठ पूजा के अवसर पर सुभाष चौक पर छठ व्रतियों के बीच प्रसाद सामग्री का वितरण किया.

सुविचार

सपने केवल सोने से नहीं पूरे होते, उन्हें हासिल करने के लिए जागकर संघर्ष करना पड़ता है।

मप्र की 1.24 करोड़ बहनों के खातों में पहुंची 1831 करोड़ की सम्मान राशिः

लाड़ली बहनों को मिली राशि है भाईदूज का उपहार : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार प्रदेश की सभी बहनों को आत्मनिर्भर, आर्थिक रूप से समृद्ध बनाकर इनके जीवन में खुशहाली लाने के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनें हमारा मान है, सम्मान है। बहनों से ही हर घर में रौनक है। इनके स्वाभिमान की रक्षा कर हम इन्हें स्वावलंबी बना रहे हैं। बहनों के स्वावलंबी बनने से ही प्रदेश में समृद्धि आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में हमारे देश को भी माता का दर्जा मिला है। दुनिया में भारतवासी ही हैं,जो अपने देश को माता के रूप में पूजते हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव शुक्रवार को शिवपुरी जिले के पिछोर में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने पिछोर से लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की 1 करोड़ 24 लाख 81 हजार 550 पात्र लाड़ली बहनों को 42वीं किश्त के रूप में 1831 करोड़ रूपए से अधिक की सम्मान राशि (प्रत्येक को 1500-1500 रूपए) सिंगल क्लिक से पात्र बहनों के बैंक खातों में अंतरित कर भाईदूज का उपहार दिया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रदेश में मप्र राज्य आजीविका मिशन में कार्य कर रहे 5.5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों को भी नगद साख सीमा के रूप में सिंगल क्लिक से 200 करोड़ रूपए से अधिक की सहायता राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने यहां 221.22 करोड़ रूपए की लागत के कुल 121 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण कर शिवपुरी जिलेवासियों को दीपावली की सौगात दी। इसमें 186.23 करोड़ रूपए की लागत वाले 85 कार्यों का भूमि-पूजन और 35 करोड़ रूपए की लागत के 36 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना प्रदेश की बहनों के सामाजिक सम्मान, वित्तीय स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी पहल है, जिसे राज्य सरकार निरंतर और अधिक सशक्त बना रही है।

प्रदेश की आधी आबादी को पूरा हक दिलाने के लिये दृढ़ संकल्पित



शिवपुरी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारत पूरी दुनिया में अपनी अलग धाक जमाने के साथ और साख बना रहा है। प्रदेश की आधी आबादी को पूरा हक दिलाने के दृढ़ संकल्पित है। लाड़ली लक्ष्मी योजना और लाड़ली बहना योजना इसी संकल्प की दिशा में हमारा प्रयास है। उन्होंने बताया कि लाड़ली बहना योजना में हमारी सरकार योजना आरंभ (जून 2023) से नवम्बर 2026 तक लाड़ली बहनों को 69 हजार करोड़ रूपए से अधिक सम्मान राशि दे चुकी है। कई बहनों ने इस राशि से सिलाई केंद्र सहित अनेक प्रकार से अच्छा उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि रोजगारपरक उद्योग लगाने पर हम उद्योगपतियों को प्रोत्साहन दे रहे हैं। साथ ही ऐसे उद्योगों में महिलाओं को रोजगार देने पर हम नियोक्ता को 5 हजार रूपए महीना (रोजगाररत प्रत्येक बहन के लिए) अलग से दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि हम प्रदेश में पशुपालन को बढ़ावा देकर किसानों और पशुपालकों और महिलाओं की आय संवृद्धि के लिए प्रयास कर रहे हैं। अभी दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश देश में तीसरे नंबर पर है। सबकी सहभागिता से हम मध्यप्रदेश को अगले दो साल में दुग्ध उत्पादन के मामले में प्रदेश को नंबर वन स्टेट बनाएंगे।

शेषाद्रि जी ने पूरा जीवन 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' को आगे बढ़ाने में लगाया : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु में प्रशांत कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह को किया संबोधित

बेंगलुरु ,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु में प्रशांत कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने प्रशांत कुटीरम के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की धरती सदियों से योग का केंद्र रही है। योग से जुड़े कितने ही आचार्यों और विद्वानों ने यहां जन्म लिया है और योग की परंपरा को समृद्ध भी किया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा,मुझे योग की असाधारण ऊर्जा का अनुभव करने का अवसर मिला है। कर्नाटक सदियों से योग का केंद्र रहा है। यहां कई जाने-माने योग गुरुओं और विद्वानों का जन्म हुआ,जिन्होंने इस प्राचीन परंपरा को समृद्ध किया। प्रधानमंत्री ने कहा,प्रशांति कुटीरम में जो शुरुआत हुई थी,वह अब योग शिक्षा,वैज्ञानिक अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान बन गई है। योग के साथ-साथ,आपने आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को मिलाकर एक समग्र वेलनेस इकोसिस्टम भी विकसित किया है। तनाव से जुड़ी चुनौतियों और जीवनशैली से होने वाली बीमारियों जैसे क्षेत्रों में किए गए शोध ने दुनिया भर के लोगों की मदद की है। मैं इन उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रशांति कुटीरम की सराहना करता हूं। उन्होंने एचवी शेषाद्रि को याद करते हुए कहा,प्रशांति कुटीरम की स्वर्ण जयंती के साथ ही इस वर्ष हम एचवी शेषाद्रि की जन्मशताब्दी भी मना रहे हैं। मैं उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं।



शेषाद्रि जी ने अपना पूरा जीवन 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' के मिशन को आगे बढ़ाने में लगाया। शेषाद्रि जी के बारे में एक और बात है, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता। वे अक्सर कहा करते थे,जब हम समाज को अपनी दोनों आंखों से देखते हैं, तो समाज भी हमें लाखों आंखों से देखता है। पीएम मोदी ने कहा,मैंने अपने जीवन में कई बार ऐसा होते देखा है। लोगों की सेवा करते हुए,मुझे हमेशा उनका आशीर्वाद और स्नेह मिला है। यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी निधियों में से एक है। सेवा की यही भावना हमें शेषाद्रि जी के परिवार में भी देखने को मिलती है। इस दौरान, पीएम मोदी ने कन्नड़ फिल्मों के दिग्गज अभिनेता डॉ.राजकुमार की भी सराहना की। उन्होंने कहा, राजकुमार भी कर्नाटक की धरती के उन अनेक योग प्रेमियों में से एक थे, जिन्होंने कला की दुनिया और योग साधना,दोनों में अपना योगदान दिया। कर्नाटक की समृद्ध विरासत के बीच, शांति कुटीरम की 50 वर्षों की यात्रा सेवा और समर्पण की एक ऐसी असाधारण और अभूतपूर्व कहानी है, जिसके बारे में हर भारतीय को पता होना चाहिए। स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा,जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था तब एक ओर लाखों स्वतंत्रता सेनानी, आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे, तो दूसरी ओर स्वामी विवेकानंद जैसे राष्ट्र ऋषि भी थे जिन्होंने भारत की आध्यात्मिक चेतना को जागृत किया।

महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट के घर पर हमले की कोशिश

नशे में धुत तीन युवकों ने किया हंगामा किया,तीनों आरोपी गिरफ्तार

छत्रपति संभाजीनगर ,(एजेंसी)। महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट के गोलवाड़ी इलाके में स्थित घर के बाहर कल गुरुवार देर रात हमले की कोशिश की गई। बताया जा रहा है कि नशे में धुत तीन युवकों ने हंगामा किया, शराब की बोतलें तोड़ीं और सुरक्षाकर्मियों से भी भिड़ गए। सतारा पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। इस घटना के बारे में खुद मंत्री शिरसाट ने रात में एक वीडियो जारी कर इसकी जानकारी दी थी। शिरसाट के मुताबिक,यह घटना रात 10.30 बजे से 11.00 बजे के बीच हुई। नशे में धुत तीन युवकों ने बंगले के पास हंगामा किया। जब सुरक्षा कर्मियों ने बीच-बचाव किया, तो कहा जा रहा है कि युवकों ने घर की तरफ बोतलें फेंकीं। शिरसाट ने कहा कि पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। उनके मुताबिक, पहले तो लड़के अपनी गाड़ी से गिर गए, फिर मौके से चले गए और फिर मेन गेट पर लौट आए। जब गार्ड्स ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो संदिग्धों ने कथित तौर पर उन्हें धमकाने की कोशिश की। शुरुआती रिपोर्ट्स में बताया गया था कि दो सिक्योरिटी गार्ड्स घायल हुए थे, लेकिन बाद में मंत्री शिरसाट ने साफ किया कि किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई, हालांकि उनकी पार्टी के एक कार्यकर्ता को हल्की चोट आई और उसे मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए भेजा गया। मंत्री के घर पर यह दूसरी ऐसी घटना है। इससे पहले, एक लड़का चाकू लेकर उनके घर तक पहुंच गया था। इस घटना के बाद, मंत्री शिरसाट ने स्थानीय पुलिस पर गहरी नाराजगी जताई और शहर में कानून-व्यवस्था की हालत पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उन्होंने घटना के तुरंत बाद छत्रपति संभाजीनगर पुलिस कमिश्नर को फोन करने की कोशिश की, तो कमिश्नर का फोन स्विच ऑफ था।

वैशाली में एक परिवार के चार सदस्यों ने खाया जहर,तीन की मौत

वैशाली। बिहार के वैशाली जिले के गोरौल थाना क्षेत्र के प्रेमराज गांव में एक ही परिवार के चार सदस्यों के जहर खाने का मामला सामने आया है। घटना में सास, बहू और एक पोते की मौत हो गई, जबकि पोती की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना के पीछे जमीन बेचने को लेकर पारिवारिक विवाद की बात सामने आ रही है। बताया गया कि परिवार का बेटा राहुल लगातार जमीन बेच रहा था। आरोप है कि वह गुरुवार को भी जमीन बेचकर घर से फरार हो गया था। इसी विवाद के बाद परिवार के चार सदस्यों ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों और परिस्थितियों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

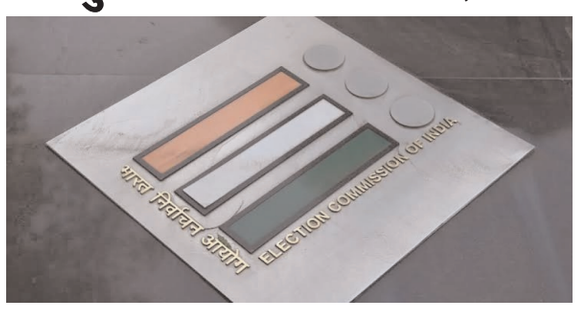
राहुल ने मां सोनिया गांधी की किताब की आलोचना पर कहा-थैंक्स

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मां सोनिया गांधी की किताब की आलोचना किए जाने पर बीजेपी नेताओं से कहा कि अच्छी किताब है। वो सभी पढ़ रहे हैं। वे सिर्फ पढ़ नहीं रहे हैं,बल्कि वे इसपर प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को इंस्टाग्राम स्टोरी में वीडियो शेयर कर कहा कि असल बात है कि कई गुप्त रूप से वह पसंद भी करते हैं और मानते हैं कि अच्छे हैं। दुर्भाग्य से वह ये कह नहीं सकते हैं। भक्त कृप्या किताब पर टिप्पणी करें, जितना बयान देंगे,उतना अच्छा रहेगा,थैंक्यू। बता दें सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव 10 नवंबर को लॉन्च हुई है। बीजेपी बाबरी मस्जिद विध्वंस,सिख विरोधी दंगों,गोधरा और पीएम पद को लेकर किए गए सोनिया गांधी के दावों पर उन्हें घेर रही है। बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने सवाल किया कि जब दिल्ली में हजारों सिखों का नरसंहार हुआ,तब सोनिया गांधी के आंसू क्यों नहीं निकले? बीजेपी कहा कि सोनिया गांधी ने अपने संस्मरण में 1975 में आपातकाल लागू किए जाने को उचित ठहराने की कोशिश की है। 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में अपने दिवंगत पति राजीव गांधी को क्लीन चिट दी है। वहीं कांग्रेस का कहना है कि सोनिया गांधी ने किताब में सच्चाई लिखी है।

गृहमंत्री अमित शाह से यूपी के मंत्री संजय निषाद ने की मुलाकात

नई दिल्ली। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री डॉ. संजय निषाद ने शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान निषाद समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों, पार्टी पदाधिकारियों से संबंधित विषयों और आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ.संजय निषाद ने समाज की मांगों से संबंधित पत्र भी गृहमंत्री को सौंपा। भेंट के दौरान आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन के तहत मिलकर चुनाव लड़ने,जीत की रणनीति और राजनीतिक समीकरणों पर सकारात्मक बातचीत हुई। मीडिया से बात करते हुए डॉ.संजय निषाद ने कहा कि उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन निषाद पार्टी के लिए सदैव महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि अमित शाह के साथ हुई मुलाकात में समाज के हितों और संगठन से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। डॉ.संजय निषाद ने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में एनडीए की सरकार प्रचंड बहुमत के साथ बनेगी। उन्होंने कहा कि जब भी दो नेता मिलते हैं, तो राजनीतिक विषयों पर चर्चा होना स्वाभाविक है।

कई सीटों पर वोटों में गड़बड़ी के दावों को चुनाव आयोग ने बताया भ्रामक



निर्वाचन आयोग ने सोशल मीडिया के दावों पर जारी किया विस्तृत फैक्ट-चेक

नई दिल्ली,(एजेंसी)। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने सोशल मीडिया पर किए जा रहे उन दावों का फैक्ट-चेक जारी किया, जिनमें 2024 लोकसभा और विभिन्न विधानसभा चुनावों में डाले गए वोटों और गिने गए वोटों के बीच बड़े अंतर का आरोप लगाया गया था। आयोग ने इन दावों को भ्रामक बताया है और वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए अपने आधिकारिक इंडेक्स कार्ड और सांख्यिकीय रिपोर्टों के आंकड़े सार्वजनिक किए हैं। ये दावे मुख्य रूप से महाराष्ट्र,हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों को लेकर सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए थे। आयोग के अनुसार, कई मामलों में सोशल मीडिया पोस्ट में कुल पंजीकृत मतदाताओं की संख्या को ही कुल डाले गए वोट मान लिया गया या फिर अन्य आधिकारिक आंकड़ों की गलत व्याख्या की गई, जिससे रिकॉर्ड में मौजूद न होने वाले अंतर को दिखाया गया। महाराष्ट्र की मुंबई नॉर्थ लोकसभा सीट को लेकर दावा किया गया था कि यहां 18.11 लाख वोट डाले गए, लेकिन केवल 10.33 लाख वोटों की गिनती हुई, यानी 7.78 लाख वोट नहीं गिने गए। हालांकि,आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार इस सीट पर कुल 18,12,115 मतदाता थे। इनमें से 10,36,496 मतदाताओं ने मतदान किया, जिनमें 10,33,268 ईवीएम वोट और 3,228 डाक मतपत्र शामिल थे। आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार 765 टेस्ट वोट और कंट्रोल यूनिट (सीयू) से प्राप्त न हो सकने वाले वोटों को अलग करने के बाद 10,35,731 वोटों की गिनती हुई। यहां मतदान प्रतिशत 57.20 फीसदी रहा। आयोग ने स्पष्ट किया कि लगभग 7.75 लाख का अंतर उन मतदाताओं का है जिन्होंने मतदान ही नहीं किया था, न कि ऐसे वोटों का जिनकी गिनती नहीं हुई। जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर लोकसभा सीट को लेकर दावा किया गया था कि 6,66,046 वोट डाले गए, जबकि 6,72,942 वोटों की गिनती हुई, यानी 6,896 अतिरिक्त वोट गिने गए। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक यहां कुल 17,48,803 मतदाता थे और 6,76,408 वोट डाले गए, जिनमें 6,72,942 ईवीएम वोट और 3,466 डाक मतपत्र शामिल थे। 1,009 टेस्ट वोट और अन्य निर्धारित कटौतियों के बाद कुल 6,75,399 वोटों की गिनती हुई। यहां मतदान प्रतिशत 38.68 फीसदी रहा। आयोग ने कहा कि किसी भी प्रकार के अतिरिक्त वोट नहीं गिने गए। महाराष्ट्र की बीड विधानसभा सीट को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया कि 3.84 लाख वोट डाले गए, लेकिन केवल 2.39 लाख वोटों की गिनती हुई, जिससे 1.45 लाख वोटों के गायब होने का आरोप लगाया गया।

महादेव सट्टा एप के आरोपी मोहित के घर सीबीआई की छापेमारी

रायपुर। महादेव सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई)ने जांच तेज करते हुए शुक्रवार को रायपुर के समता कॉलोनी में आरोपित मोहित सोमानी के घर छापेमारी की। करीब छह सदस्यीय टीम उसके मकान पर पहुंची और लगभग एक घंटे तक जांच-पड़ताल कर वापस लौट गई। मोहित सोमानी का नाम महादेव सट्टा सिंडिकेट में ऑपरेटर के रूप में सामने आया था। आरोप है कि वह महादेव 364 पैनल का संचालन करता था। सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी और भारत वापसी के बाद रायपुर में हुई इस कार्रवाई को जांच की अहम कड़ी माना जा रहा है। मोहित सोमानी पर प्रमोटर से आईडी लेकर बेचने की आशंका जताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि मोहित सोमानी को नवंबर 2024 में रायपुर पुलिस ने कोलकाता के न्यू टाउन इलाके से गिरफ्तार किया था। जांच में उसका संबंध महादेव सट्टा नेटवर्क से सामने आया था।

नहाय-खाय के साथ देशभर में हुआ महापर्व छठ का भव्य शुभारंभ

वाराणसी में गंगा में श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी और की पूजा

वाराणसी ,(एजेंसी)। सूर्य उपासना के महापर्व छठ की शुरुआत नहाय-खाय अनुष्ठान के साथ शुरू हो गई। धर्मनगरी काशी के गंगा घाटों पर छठ महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह देखने को मिली। इस दौरान अस्सी घाट पर व्रती महिलाओं ने गंगा में पवित्र डुबकी लगाई। गंगा स्नान के बाद महिलाएं छठ वेदियों का पूजन किया। बिहार, मध्य प्रदेश समेत देश के विभिन्न हिस्सों से भी छठ पूजा के लिए श्रद्धालु वाराणसी पहुंचे हैं। कठिन व्रतों में से एक माने जाने वाले छठ महापर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। छठ महापर्व को लेकर नगर निगम की ओर से घाटों पर महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए गंगा में गहरे पानी में न जाने की चेतावनी वाले बोर्ड भी लगाए गए हैं। बिहार से काशी आई रेणु कुशवाहा ने कहा,आज नहाय-खाय है। इसके तहत हम लोग गंगा में स्नान करने के बाद घाट पर वेदी बनाकर पूजा करेंगे। इसके साथ ही चावल,लौकी की सब्जी और चने की दाल का प्रसाद ग्रहण करेंगे। मैं कई सालों से



काशी में आकर छठ पूजा करती हूं। अर्चना जायसवाल ने कहा,सबसे पहले छठ मइया के लिए घाट और वेदी बनाते हैं। नहाय-खाय के साथ आज से छठ पूजा की शुरुआत हुई है। मैंने सबसे पहले गंगा में स्नान किया और उसके बाद वेदी का पूजन किया। घर जाकर लौकी की सब्जी, चने की दाल और चावल पकाएंगे। इस भोजन को प्रसाद के रूप में ग्रहण कर व्रत की शुरुआत करूंगी। बता दें कि चार दिनों तक चलने वाली छठ पूजा के पहले दिन साफ-सफाई, पवित्रता और श्रद्धा से जुड़ी रस्में निभाई जाती हैं। श्रद्धालु सुबह जल्दी उठते हैं और नदियों,तालाबों या अपने घरों में पवित्र स्नान करते हैं (कई लोग नहाने के पानी में गंगाजल भी मिलाते हैं)। त्योहार की शुरुआत करने से पहले वे अपने घरों और रसोई की अच्छी तरह से साफ-सफाई करते हैं। इस अवसर पर एक विशेष सात्विक भोजन तैयार किया जाता है, जिसमें पारंपरिक रूप से उबले चावल,चने की दाल और कद्दू (लौकी या कद्दू) की सब्जी शामिल होती है। भोजन तैयार करते समय साफ-सफाई और पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है,क्योंकि यहीं से इस त्योहार से जुड़े कड़े धार्मिक नियमों की शुरुआत होती है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कई खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान किए

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 प्रदान किए। शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और विदित गुजराती,एथलीट तेजस्विन शंकर तथा बैडमिंटन खिलाड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद सहित 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से अलंकृत किया गया। फुटबॉल खिलाड़ी इसायाह अरुमनायगम को अर्जुन पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया। वहीं, तीन प्रशिक्षकों को नियमित श्रेणी और दो प्रशिक्षकों को लाइफटाइम श्रेणी में द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किए गए। भारतीय सेना के पैरा खेल केंद्र पुणे को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। इस बार किसी भी खिलाड़ी को देश का सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद



खेल रत्न पुरस्कार नहीं मिला। वर्ष 2014 के बाद यह पहला अवसर है,जब किसी खिलाड़ी को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित नहीं किया गया है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में एथलेटिक्स कोच परवीर सिंह,मुक्केबाजी कोच छोटे लाल यादव और निशानेबाजी कोच नेहा नंदकुमार चव्हाण को द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं, कुश्ती कोच वीरेंद्र कुमार और मुक्केबाजी कोच धर्मेंद्र सिंह यादव को द्रोणाचार्य पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया। इसके अलावा पुणे स्थित आर्मी पैरालंपिक नोड को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल दलजीत सिंह ने राष्ट्रपति से यह पुरस्कार ग्रहण किया। अर्जुन पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और विदित गुजराती, डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर, एथलीट मुहम्मद अजमल वी. और रेस वॉकर प्रियंका गोस्वामी शामिल हैं। बैडमिंटन में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद, मुक्केबाजी में नरेंद्र, हॉकी में लालरेमसियामी और राजकुमार पाल, कबड्डी में सुरजीत और पूजा को यह सम्मान मिला। इनके अलावा पैरा निशानेबाज धनुष श्रीकांत और रुद्रांश खंडेलवाल, पैरा एथलीट एकता भ्यान, रोइंग खिलाड़ी अरविंद सिंह और निशानेबाज अखिल श्योराण भी अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किए गए।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सिंधी समाज ने मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर बढ़ाया हौसला, दीपावली मिलन में दिखी एकजुटता



मंदसौर। पूज्य सिंधी जनरल पंचायत मंदसौर के तत्वावधान में दीपावली मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ श्री झूलेलाल सिंधु महल में आयोजित किया गया। समारोह में समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों की मेहनत, लगन और शैक्षणिक उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने के साथ नई पीढ़ी को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा। वक्ताओं ने कहा कि आज के प्रतिभाशाली बच्चे ही कल समाज का गौरव बनेंगे। उनकी सफलता पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने भगवान झूलेलाल के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। समारोह में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर रहीं। इस अवसर पर सिंधी समाज के आशीर्वाददाता दृष्टानन्द नैनवानी, वासुदेव खेमानी, संयोजक नन्दूभाई आडवानी, मोहन रामचंदानी, पुरुषोत्तम शिवानी, विनोद शर्मा, समाज अध्यक्ष वासुदेव सेवानी, महासचिव राजेश चाहूजा, वरुणदेव संचालन समिति अध्यक्ष प्रमोद ककनानी, लाड़ी लोहाणा पंचायत के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र चंदवानी, वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी, किन्नर गुरु अनीता दीदी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष महेन्द्रसिंह गुर्जर, भाजपा नेता अनिल कियावत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनय दुबेला, कांग्रेस नेता मनजीतसिंह मनी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष इष्टा भाचावत, जनभागीदारी समिति के पूर्व अध्यक्ष नरेश चंदवानी, नगरपालिका सभापति निर्मला चंदवानी, दीपमाला मकवाना, शांति फरक्या, पार्षद एवं समाज महिला अध्यक्ष भावना पमनानी, डॉ. सुरेश पमनानी, डॉ. डी.डी. संगतानी, मोनू चंदवानी, युवा संगठन अध्यक्ष नीतेश सतीदासानी, मुकेश होतवानी तथा धार्मिक उत्सव समिति अध्यक्ष ज्योति ककनानी मंचासीन रहे। समारोह में ब्रजलाल नैनवानी, गिरीश भगतानी, कैलाश मनवानी, अनिल लालवानी, प्रीतम खेमानी, रमेश लवानी, दयाराम जैसवानी, विजय कोठारी, दुर्गेश बेलानी, उमेश ज्ञानानी, मोहन मनवानी, गिरधारी जजवानी, ताराचंद जैसवानी, लाला ककनानी, महेश देवनानी, गोपाल पारवानी, पप्पन ज्ञानी, ठाकुरदास खेराजानी, मंजू कोठारी, दुर्गा भावनानी, लता लालवानी एवं कांता चतवानी सहित समाजजनों ने अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन में समाज के वरिष्ठजन, मार्गदर्शक, समाजसेवी, पंचायत पदाधिकारी, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

महावीर जिनालय में आठ दिवसीय नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान 17 नवंबर से

24 नवंबर को विश्व शांति महायज्ञ के साथ होगा अष्टान्हिका महापर्व का समापन

मंदसौर। अष्टान्हिका महापर्व के अवसर पर श्री महावीर जिनालय नया मंदिर एवं श्री दिगम्बर जैन महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में 17 से 24 नवंबर तक आठ दिवसीय श्री नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान, पूजन-विधान और भक्ति के कार्यक्रम होंगे। महावीर जिनालय ट्रस्ट अध्यक्ष जयकुमार बडजात्या एवं सचिव डॉ. संजय गांधी ने बताया कि अष्टान्हिका महापर्व कार्तिक, फाल्गुन और आषाढ़ माह में आता है। जैन धर्म में इस पर्व के दौरान की जाने वाली विशेष पूजन का अत्यंत महत्व है। संगठन अध्यक्ष डॉ. चंदा भरत कोठारी ने बताया कि जैन धर्म एवं जैन भूगोल के अनुसार नंदीश्वर द्वीप मध्यलोक का आठवां द्वीप है। इसे अत्यंत पवित्र माना गया है। यहां कुल 52 अकृत्रिम जिन मंदिर हैं तथा प्रत्येक मंदिर में 108 पद्मासन प्रतिमाएं विराजमान हैं। अष्टान्हिका महापर्व के दौरान चारों प्रकार के देव इन प्रतिमाओं की अखंड पूजा करते हैं। इसी परंपरा के अनुरूप पृथ्वी पर भी श्रद्धालु पवित्र सामग्री और उत्कृष्ट भावों के साथ आठ दिवसीय नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान की आराधना करते हैं। महावीर जिनालय नया मंदिर में विद्वान आनंद जैन शास्त्री भैयाजी के निर्देशन में साज-संगीत के साथ सामूहिक पूजन-विधान संपन्न होगा। इसमें दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालु प्रतिदिन बड़ी संख्या में शामिल होकर धर्मलाभ लेंगे। आयोजन के दौरान प्रतिदिन प्रात: 7.15 बजे से अभिषेक, शांतिधारा एवं विधान पूजन होगा। वहीं शाम 7.30 बजे से आरती, भक्ति और स्वाध्याय के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मासूम बच्ची को न्याय दिलाने के लिए भीम आर्मी का प्रदर्शन, दोषियों को फांसी और परिवार को मुआवजा देने की मांग



मंदसौर जिले के गरोठ थाना क्षेत्र के ग्राम लुक्का में सात वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की जघन्य घटना के विरोध में शुक्रवार को भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सरदार पटेल चौराहे से पैदल मार्च निकाला और थाना परिसर पहुंचकर जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के नाम नायब तहसीलदार विनोद कुमार शर्मा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मामले की निष्पक्ष जांच फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराए जाने, दोषी को फांसी की सजा दिलाने, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने तथा परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी प्रदान करने की मांग की गई। इसके साथ ही ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कठोर कानून बनाने, मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित करने और संपूर्ण प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय सीबीआई जांच कराने की मांग भी उठाई गई। इस अवसर पर भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष मंगलेश सूर्यवंशी ने कहा कि यह मामला केवल एक परिवार का नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और पुलिस प्रशासन की निष्पक्षता से जुड़ा है। मासूम बच्ची के साथ हुई इस गंभीर घटना में साक्ष्यों के आधार पर किसी भी दोषी को बचने का अवसर नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन किसी को बिना जांच दोषी घोषित करने की मांग नहीं कर रहा है, बल्कि प्रत्येक संदिग्ध की भूमिका की समान रूप से जांच चाहता है। जांच किसी प्रभावशाली व्यक्ति या राजनीतिक दबाव से प्रभावित नहीं होनी चाहिए। ज्ञापन के माध्यम से उच्च अधिकारियों से सभी मांगों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल निष्पक्ष जांच के आदेश जारी करने तथा घटना के वास्तविक दोषियों के साथ ही लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदारों के विरुद्ध भी कार्रवाई करने की मांग की गई। इस दौरान संभाग सचिव पारस आजाद, विनोद भास्कर, गुफरान पठान, राहुल अटेलिया, बालमुकुंद सूर्यवंशी, पवन श्रीमाल, प्रिंस गुप्ता, तूफान सिंह, विजय कमलवा सहित भीम आर्मी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अल्टो कार में 50 किलो डोडाचूरा ले जा रहे राजस्थान के दो तस्कर गिरफ्तार

भावगढ़ पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान पकड़ा, 5.21 लाख रुपये का मश्रूका जब्त



मंदसौर। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले की भावगढ़ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अल्टो कार से 50 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त किया है। पुलिस ने कार में सवार राजस्थान के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ, कार और मोबाइल फोन सहित कुल 5 लाख 21 हजार रुपये का मश्रूका जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार, 13 नवंबर को सहायक उपनिरीक्षक नरेंद्र मकवाना पुलिस टीम के साथ वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान सेमलिया हीरा की ओर से आ रही सफेद रंग की अल्टो कार क्रमांक स्क्क 09 ष्ठह 1582 को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर चालक ने कार दलौदा की तरफ मोड़ दी। पुलिस टीम ने पीछा कर दलौदा-भावगढ़ माजेसरा रोड स्थित बावजी मंदिर के सामने कार को रोक लिया। कार की तलाशी लेने पर उसमें रखे तीन काले रंग के कट्टों से कुल 50 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से कार चालक नारायणसिंह पिता दरयाबसिंह सौंधिया (48), निवासी डीगोन, थाना सुसनेर, जिला आगर मालवा तथा उसके साथ बैठे सुजानसिंह पिता देवीसिंह सौंधिया (38), निवासी लुहारिया, थाना डग, जिला झालावाड़ (राजस्थान) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 50 किलो डोडाचूरा, जिसकी कीमत 2 लाख रुपये, अल्टो कार कीमती 3 लाख रुपये, एक ओप्पो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल 20 हजार रुपये तथा एक वीवो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल और एक काले रंग का VILLAON कंपनी का कीपैड मोबाइल जब्त किया है। जब्त मश्रूका की कुल कीमत 5 लाख 21 हजार रुपये बताई गई है। इस मामले में थाना भावगढ़ पर अपराध क्रमांक 216/26 के तहत धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से डोडाचूरा के स्रोत तथा तस्करी के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ग्रामीण गिरिश जेजुलकर के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी भावगढ़ के नेतृत्व में पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

किसानों के हक की बात संसद में उठाएं

सीहोर। रीवा से भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा द्वारा किसानों को लेकर दिए गए विवादित बयान के विरोध में शुक्रवार को राजधानी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल शहर और किसान कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में कार्यकर्ताओं ने भोपाल सांसद आलोक शर्मा के निवास (बंगले) का घेराव किया। इस दौरान उन्हें किसानों की मांगों से जुड़ा पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भोपाल शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने जनार्दन मिश्रा के माफी मांगने के बावजूद उनके इस्तीफे की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि जो अन्नदाता सालभर मेहनत कर और कर्ज में डूबकर हमारा पेट भरने के लिए अनाज पैदा करते हैं, पहले उनका अपमान किया गया और जब कांग्रेस का दबाव बढ़ा तो माफी मांग ली गई। केवल माफी मांगने से सजा कम नहीं हो जाती। जनार्दन मिश्रा को नैतिकता के आधार पर अपने पद से तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। सक्सेना ने भाजपा के अन्य नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जो नेता खुद को किसान पुत्र और किसानों का हितैषी बताते हैं, उन्हें भी इस मामले में सामने आकर अपना बयान देना चाहिए। भोपाल सांसद आलोक शर्मा के बंगले का घेराव करने के सवाल पर प्रवीण सक्सेना ने कहा कि भोपाल के किसानों ने उन्हें अपना सांसद चुना है। राजनीति से ऊपर उठकर यह उनकी नैतिक जिम्मेदारी है कि वे किसानों के सम्मान और हक के लिए आवाज उठाएं।

151 दिन के श्रमदान के बाद भी नहीं सुधरी शिवना की तस्वीर

अब आंदोलन की राह पर विधायक विपिन जैन



मंदसौर। शिवना नदी को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए चलाया जा रहा शुद्धिकरण अभियान शुक्रवार को 151वें दिन भी जारी रहा। विधायक विपिन जैन के नेतृत्व में श्रमदानियों ने भगवान पशुपतिनाथ मंदिर की छोटी पुलिया और दोनों घाटों के आसपास सफाई कर एक ट्रॉली कचरा निकाला। इस दौरान नदी किनारे जमा प्लास्टिक थैलियां, गाद, कचरा और पानी में फैली काई हटाई गई। घाटों पर फेंके गए कपड़ों सहित अन्य सामग्री को भी साफ किया गया। धार्मिक आस्था का ध्यान रखते हुए नदी किनारे मिली तस्वीरों और मूर्तियों को सम्मानपूर्वक व्यवस्थित स्थान पर रखवाया गया। श्रमदान के दौरान विधायक विपिन जैन ने शिवना की बदहाल स्थिति और प्रशासन की उदासीनता पर नाराजगी जताई। मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि लगातार 151 दिनों से श्रमदान कर नदी को स्वच्छ बनाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद लोग नदी में कचरा डालने से बाज नहीं आ रहे हैं। प्रशासन भी इस स्थिति पर मूकदर्शक बना हुआ है। गंदे नाले आज भी सीधे शिवना नदी में मिल रहे हैं, लेकिन इन्हें रोकने के लिए कोई ठोस कार्ययोजना सामने नहीं आई है। पूर्व में बनाई गई योजनाएं भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी हैं। विधायक जैन ने कहा कि अब केवल श्रमदान से शिवना की स्थिति नहीं सुधरेगी। प्रशासन की लापरवाही और नदी की दुर्दशा के खिलाफ अब वे आमजन को साथ लेकर धरने पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि शिवना केवल एक नदी नहीं, बल्कि लाखों लोगों की आस्था से जुड़ी जीवनरेखा है। नदी का दूषित पानी जमीन में पहुंचकर कुओं और ट्यूबवेल तक पहुंच रहा है, जिसका दुष्प्रभाव आमजन को भुगतना पड़ सकता है। शिवना को स्वच्छ रखना केवल श्रमदानियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसके लिए प्रशासन और प्रत्येक नागरिक को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। इनकी रही सहभागिता 151वें दिन के श्रमदान में विधायक विपिन जैन, समाजसेवी हेमराज खाबिया, राकेश जैन पिंटू, इष्टा भाचावत, राखी सत्रावाला तथा कांग्रेसजनों में राजनारायण लाड़, संजय नाहर, खलील पठान, अजय सोनी, महेश गुप्ता, कैलाश कुमावत (अमलावद), अंसार मेव, योगेंद्र गौड़, जयेश पालीवाल सहित अनेक श्रमदानी शामिल हुए।

इंदौर बनेगा वैराग्य बरात का साक्षी, त्रय भावी मुनिराजों की भव्य बिनौली यात्रा आज

सीहोर। श्रमण संस्कृति के महामहिम पट्टाचार्य भगवंत श्री 108 विशुद्धसागर जी यतिराज ससंघ के सान्निध्य में, श्रमण मुनि श्रुतसंवेगी महाश्रमण श्री 108 आदित्यसागर जी मुनिराज द्वारा आगामी 16 दिसंबर 2026 को जयपुर में आयोजित भव्य जैनेश्वरी दीक्षा समारोह में बाल ब्रह्मचारी अतिशय भैया, बाल ब्रह्मचारी विशाल भैया एवं बाल ब्रह्मचारी रोहित भैया जैनेश्वरी दीक्षा लेंगे। दीक्षा समारोह के पूर्व इंदौर में तीनों बाल ब्रह्मचारी दीक्षार्थी भाइयों का महामंगल उत्सव होगा जिसमें भावी त्रय मुनिराजों की भव्य बिनौली यात्रा निकाली जाएगी। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि भावी मुनिराजों की यह बिनौली यात्रा आज शनिवार, 14 नवंबर को सांय सात बजे से श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, अंजनी नगर, इंदौर से प्रारंभ होकर क्षेत्रीय कॉलोनियों का भ्रमण करेगी। देवेन्द्र सोगानी, ऋषभ पाटनी, राजेश काला ने जानकारी देते हुए कहा कि यात्रा पश्चात संत सदन में तीनों दीक्षार्थी अपने वैराग्य भाव व्यक्त करेंगे।

कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने टेमागांव में उचित मूल्य की दुकान एवं आयुष चिकित्सालय का किया निरीक्षण

हरदा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत टेमागांव में आयोजित क्लस्टर स्तरीय संवाद शिविर के दौरान गांव की उचित मूल्य की दुकान एवं आयुष चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम टिमरनी श्री असवनराम चिरामन सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। उचित मूल्य की दुकान के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मौके पर ही दुकान के स्टॉक का सत्यापन करवाया। साथ ही पीओएस मशीन के माध्यम से राशन वितरण एवं बिक्री व्यवस्था की जांच की। उन्होंने दुकान में खाद्यान्न एवं उर्वरक के भंडारण की स्थिति का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से राशन एवं उर्वरक की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने उचित मूल्य की दुकान के भवन की स्थिति का अवलोकन करते हुए उसकी आवश्यक मरम्मत करवाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके बाद उन्होंने आयुष चिकित्सालय का भी निरीक्षण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने आयुष चिकित्सालय की ओपीडी में प्रतिदिन आने वाले मरीजों की संख्या तथा चिकित्सालय में उपलब्ध दवाइयों की जानकारी भी ली।



एनटीपीसी खरगोन में क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय मीडिया के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित

खरगोन-एनटीपीसी खरगोन द्वारा आज एक मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय मीडिया संस्थानों से जुड़े लगभग 50 पत्रकारों ने भाग लिया। इस संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर खुलकर चर्चा करना तथा जानकारी का आदान-प्रदान करना था। इस दौरान प्लांट की दक्षता, विद्युत उत्पादन एवं वितरण, परिचालन प्रदर्शन, सीएसआर पहल, सामुदायिक विकास गतिविधियों तथा क्षेत्र के समग्र विकास में परियोजना के योगदान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से परियोजना की प्रमुख उपलब्धियों, परिचालन उत्कृष्टता एवं विभिन्न पहलों की जानकारी साझा की



गई। इसके पश्चात आयोजित संवाद सत्र में पत्रकारों ने परियोजना की कार्यप्रणाली, सीएसआर गतिविधियों एवं विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे और अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर श्री केशब चंद्र सिन्हा राय, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी खरगोन ने उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए परिचालन उत्कृष्टता, सतत विकास तथा हितधारकों के साथ सार्थक संवाद के प्रति परियोजना की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन सुश्री प्रतिभा सिंह, एजीएम (मानव संसाधन) द्वारा धन्यवाद के साथ हुआ। इस मीडिया संवाद ने पारदर्शी संचार, मीडिया के साथ बेहतर समन्वय तथा परियोजना की उपलब्धियों एवं सामाजिक योगदानों को जनमानस तक पहुंचाने के प्रति एनटीपीसी खरगोन की प्रतिबद्धता को पुन: प्रदर्शित किया।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, शनिवार 14 नवम्बर 2026

व्हाट्सएप हैकिंग अलर्ट,8000 रूपए दिवाली सहायता संदेश फर्जी

गांधीनगर। गुजरात पुलिस ने लोगों को दिवाली के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 8000 की नकद सहायता देने संबंधी फर्जी संदेशों के प्रति आगाह किया है। गुजरात पुलिस ने चेतावनी दी कि इन संदेशों के साथ भेज लिंक पर क्लिक करने से न केवल आपका व्हाट्सएप अकाउंट हैक हो सकता है, बल्कि बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी चोरी होने का भी गंभीर खतरा है। अहमदाबाद साइबर अपराध शाखा ने बताया कि साइबर ठग त्यौहारों के दौरान लोगों को ठगने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसतरह के भ्रामक संदेश प्रसारित कर रहे हैं।

मणिपुर में महिला की मौत के बाद 48 घंटे का बंद,नहीं चली बसें

इम्फाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शुक्रवार को बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहने से जनजीवन पर असर पड़ा। एक दिन पहले दो प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच गोलीबारी में एक महिला की मौत के विरोध में आदिवासी संगठन ने बंद का आह्वान किया था। बसें और ऑटोरिक्शा सड़कों पर नजर नहीं आए, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांगपोकपी स्थित 'कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी' ने गुरुवार आधी रात से 48 घंटे के बंद का आह्वान किया था।

छठ पूजा पर घर जाने के लिए पानीपत रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का सैलाब

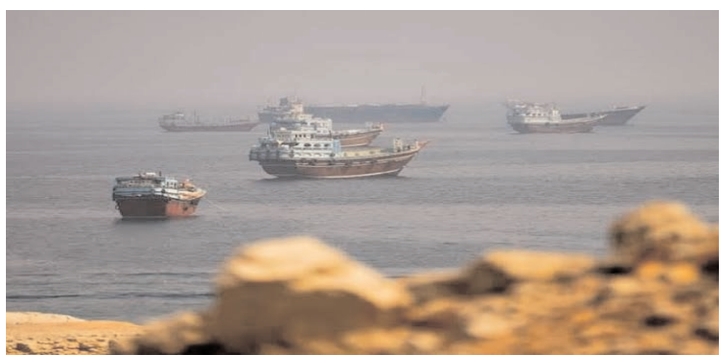
छठ पर्व पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए भारतीय रेलवे का मेगा प्लान



पानीपत। सूर्य उपासना के महापर्व छठ को लेकर घर लौटने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने व्यापक तैयारियां की हैं। छठ पर्व पर लाखों की संख्या में लोग अपने घरों का रुख कर रहे हैं। ऐसे में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने और सफर को सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे ने 214 स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इन ट्रेनों के कुल 2044 फेरे लगाए जाएंगे। इसके अलावा रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा,सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय गोरखपुर जंक्शन पर दूरदराज से आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए चार वेंडिंग जोन बनाए गए हैं। इन जोन में यात्रियों के बैठने और विश्राम करने की व्यवस्था की गई है। वहीं लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के रहने वाले प्रवासी श्रमिकों व उनके परिवारों में अपने घर लौटने की होड़ लगी हुई है। छठी मैया की पूजा करने और परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए हजारों लोग अपने घर रवाना हो रहे हैं। हालात यह हैं कि ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं मिल रही। कई यात्री जान जोखिम में डालकर ट्रेन के दरवाजों पर लटककर, बाथरूम के आसपास बैठकर और खड़े होकर सफर करने को मजबूर हैं। स्टेशन पर पहुंचे लोगों का कहना है कि चुनाव के समय राजनीतिक दलों और नेताओं को बिहार के लोगों की याद आ जाती है और उनसे वोट मांगे जाते हैं, लेकिन जब छठ जैसे बड़े त्योहार पर घर जाने की बारी आती है तो उनके लिए अतिरिक्त ट्रेनों और ठहराव की व्यवस्था नहीं की जाती। बिहार के सिवान जिले में छठ पूजा करने जा रही सुनीता मिश्रा ने बताया कि ट्रेनों में इतनी भीड़ है कि यात्रियों को चढ़ने तक की जगह नहीं मिल रही। उन्होंने सरकार से मांग की कि त्योहार के दौरान बिहार के लिए अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जाएं। दिल्ली से बिहार जाने वाली ट्रेनों का पानीपत रेलवे स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित किया जाए। पानीपत में यूपी-बिहार के हजारों लोग रोजी-रोटी कमाने के लिए रहते हैं। त्योहार पर सभी अपने परिवार के पास जाना चाहते हैं, लेकिन रेल सुविधा नहीं होने से उन्हें भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। पहले भी दिल्ली से चलने वाली ट्रेनों के पानीपत में ठहराव की बात कही गई थी, लेकिन इसका कोई समाधान नहीं हुआ। यात्री आकाश कुमार ने कहा कि दो महीने से प्रयास करने के बावजूद कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा। मजबूरी में जनरल टिकट लेकर भीड़ में सफर करना पड़ रहा है। चाहे ट्रेन में लटककर जाना पड़े या कितनी भी परेशानी उठानी पड़े, वे छठ पूजा करने अपने गांव जरूर जाएंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं होने के कारण लाखों लोग दूसरे राज्यों में मजदूरी करने आते हैं। पानीपत की फैक्ट्रियों में भी बड़ी संख्या में बिहारी श्रमिक काम करते हैं।

समुद्र में उतरने से पहले अब वर्चुअल समंदर में होगा जहाजों का इम्तिहान

स्वायत्त समुद्री नौवहन के लिए विकसित किया रियल टाइम डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म



नई दिल्ली। अब जहाजों का समुद्र में उतरने से पहले वर्चुअल समंदर में इम्तिहान होगा। 'सीनैव' तकनीक को वास्तविक समुद्र में उतारने से पहले परखने की चुनौती का समाधान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी),मद्रास के शोधकर्ताओं ने खोजा है। दरअसल, भविष्य की जहाजरानी में इन सवालों के जवाब कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्वायत्त प्रणालियां दे सकती हैं। संस्थान ने 'सीनैव' नाम का रियल टाइम डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म विकसित किया है,जो समुद्र,जहाजों,लहरों,सेंसरों और पोत यातायात का आभासी प्रतिरूप तैयार कर स्वायत्त जहाजों की नेविगेशन प्रणालियों का परीक्षण,सत्यापन और प्रशिक्षण संभव बनाता है। इसके साथ ही आगे के लिए यह विश्वास पैदा हुआ है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वर्चुअल रियलिटी और अत्याधुनिक सेंसर फ्यूजन से लैस यह तकनीक भारत को भविष्य की स्मार्ट जहाजरानी के क्षेत्र में नई ताकत दे सकती है। आईआईटी मद्रास के महासागर इंजीनियरिंग विभाग ने यह प्लेटफॉर्म ऐसी चुनौती के समाधान के लिए विकसित किया है, जिसमें स्वायत्त जहाजों की नेविगेशन प्रणाली को वास्तविक समुद्र में उतारने से पहले सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से परखा जा सके। समुद्र में परीक्षण के लिए विशाल जहाज, विशेषज्ञ दल, ईंधन, समय और अनुकूल परिस्थितियों की जरूरत पड़ती है। किसी तकनीकी चूक से जहाज,माल,पर्यावरण और मानव जीवन पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। 'सीनैव' इस पूरी प्रक्रिया को आभासी वातावरण में ले जाता है। इसमें समुद्र की लहरें,जहाजों की गतिविधियां, मौसम, सेंसरों के संकेत और आसपास चल रहे दूसरे पोतों का यातायात वास्तविक समय में तैयार किया जा सकता है। शोधकर्ता अलग-अलग परिस्थितियां बनाकर जांच सकते हैं कि स्वायत्त प्रणाली किस तरह निर्णय लेती है और कठिन परिस्थितियों में उसका प्रदर्शन कैसा रहता है। उल्लेखनीय है कि शोध दल ने वास्तविक सेंसर इनपुट और समुद्री तरंगों की परिस्थितियों में स्वायत्त पथ-अनुसरण तथा एआई आधारित टक्कर बचाव का प्रदर्शन किया है। यह इस अनुसंधान की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका अर्थ है कि जहाज की दिशा तय करने और संभावित टक्कर से बचने वाली प्रणाली को वास्तविक समुद्री चुनौतियों के अनुरूप परखने की दिशा में कामयाबी मिली है। इस शोध का नेतृत्व करने वाले आईआईटी मद्रास के महासागर इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.सुरेश राजेंद्रन ने 'सीनैव' की उपयोगिता स्पष्ट करते हुए कहा,सीनैव स्वायत्त समुद्री नौवहन प्रौद्योगिकियों के विकास और सत्यापन के लिए एक व्यावहारिक तथा विस्तार योग्य मंच प्रदान करता है। डिजिटल ट्विन,एआई,उन्नत सेंसर फ्यूजन और वर्चुअल रियलिटी को मिलाकर हम ऐसा वातावरण तैयार कर रहे हैं, जहां वास्तविक समुद्री परिवेश में तैनाती से पहले स्वायत्त प्रणालियों और मानव संचालकों, दोनों को सुरक्षित और कुशलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा सकता है।

दिल्ली,नोएडा-गाजियाबाद की हवा जहरीली, एक्यूआई 500 के पार

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण ने एक बार फिर से भयावह रूप धारण किया



नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रदूषण ने एक बार फिर से भयावह रूप धारण कर लिया है। पूरा एनसीआर अब एक गैस चैंबर में तब्दील हो चुका है, जहां सांस लेना दूभर हो गया है। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 500 के खतरनाक स्तर के बेहद करीब पहुंच गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, सुबह के समय वातावरण में स्मॉग (धुंध और धुएं का मिश्रण) की मोटी चादर ने विजिबिलिटी (दृश्यता) को काफी कम कर दिया है। ताजा मौसम रिपोर्ट के मुताबिक, 13 से 18 नवंबर तक राजधानी में घना कोहरा और स्मॉग छाया रहेगा। दिन का तापमान 26 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि सुबह के वक्त ह्यूमिडिटी 95 प्रतिशत तक पहुंच रही है। हवा में नमी और प्रदूषकों के जमा होने से आने वाले दिनों में समस्या और बढ़ने की आशंका है। वायु प्रदूषण के आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति बेहद डरावनी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के 59 में से 58 मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया है। दिल्ली में सबसे खराब हालात चांदनी चौक के हैं, जहां एक्यूआई 480 तक पहुंच गया है। इसके अलावा बुराड़ी क्रॉसिंग में 459, मथुरा रोड पर 457, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 451, आया नगर में 433 और डीटीयू में 443 एक्यूआई दर्ज किया गया है। आनंद विहार (418), बवाना (416), अशोक विहार (405) और बदरपुर (405) जैसे इलाके भी जहरीली हवा की चपेट में हैं। द्वारका सेक्टर-8 (366) और घुम्मनहेरा (351) में भी हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है। एनसीआर के अन्य शहरों की बात करें तो नोएडा की स्थिति भी दिल्ली से बेहतर नहीं है। नोएडा के 7 स्टेशनों में से सेक्टर-62 में एक्यूआई 474 दर्ज किया गया है, जो सीवियर प्लस श्रेणी में आता है। सेक्टर-116 में 402, सेक्टर-125 में 353 और सेक्टर-1 में 335 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया है। वहीं, गाजियाबाद की हवा भी जहर घोल रही है। यहां इंदिरापुरम में एक्यूआई 432, वसुंधरा में 405, न्यू तहसील-लोनी में 398, वेव सिटी में 396 और संजय नगर में 391 दर्ज किया गया है।

मैं महिला नहीं हूं ,नेहा बोरा ने अपने जेंडर को लेकर किया बड़ा खुलासा

आइसा की अध्यक्ष नेहा बोरा अपने बयान से एक बार फिर चर्चा में आई



नई दिल्ली,13 नवंबर ,(एजेंसी)। जंतर-मंतर पर काकरोच जनता पार्टी के चले विरोध प्रदर्शनों के बीच ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की अध्यक्ष नेहा बोरा भी लगातार चर्चा में बनी रही हैं। सरकार के खिलाफ बेबाक तरीके से अपनी बात रखने और आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाने के कारण वह सुर्खियों में रहती हैं। अब अपनी लैंगिक पहचान को लेकर दिए गए बयान के चलते भी उनकी चर्चा हो रही है। नेहा बोरा का कहना है कि वह खुद को न तो महिला मानती हैं और न ही पुरुष, बल्कि उनकी पहचान नॉन-बाइनरी है। उन्होंने मीडिया संस्थानों से अपील की है कि उन्हें महिला या पुरुष के बजाय एक व्यक्ति के रूप में संबोधित किया जाए। एक इंटरव्यू के दौरान जब उनसे सवाल किया गया कि मीडिया में आपको गलत तरीके से संबंधित कर दिया जाता है जबकि आप खुद को महिला नहीं मानती हैं। इसपर नेहा बोरा ने कहा, इस तरह की बातें हो जाती हैं। एक ही बार की बातचीत में कई बार लोग मेरे लिए 'स्द्धद्र' शे-ओ का इस्तेमाल करते हैं और फिर ' द्4भी बोलते हैं। मैं इसको स्वीकार कर चुकी हूं। लोगों को समझने में समय लगता है कि नॉन बाइनरी लोगों को कैसे संबोधित किया जाए। उन्होंने कहा, अब कई मीडिया संस्थान मुझे पर्सन के तौर पर संबोधित करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की सामाजिक और लैंगिक पहचान से जुड़े विषयों को समझाना आसान नहीं होता। पहले लोगों को नॉन-बाइनरी पहचान के बारे में जानकारी ही नहीं थी, लेकिन अब इस मुद्दे पर चर्चा शुरू हुई है। उनके अनुसार, यह बदलाव इस विचार को आगे बढ़ाने में मददगार साबित हो रहा है। नॉन-बाइनरी एक ऐसी लैंगिक पहचान है, जिसमें व्यक्ति खुद को केवल महिला या पुरुष की पारंपरिक श्रेणियों में सीमित नहीं मानता। कुछ नॉन-बाइनरी लोग अपनी पहचान में महिला और पुरुष दोनों के तत्व महसूस करते हैं, जबकि कुछ खुद को इन दोनों श्रेणियों से अलग मानते हैं। यह पहचान हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकती है। नेहा बोरा भी अपनी पहचान को महिला और पुरुष की पारंपरिक पहचान से अलग मानती हैं।

हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में भारी बर्फबारी का दौर जारी



पंजाब,हरियाणा समेत कई राज्यों में बढ़ी ठंड,आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में हो रही बर्फबारी का असर अब मैदानी राज्यों में भी दिखाई देने लगा है। पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है, जबकि सुबह के समय कई शहरों में धुंध और कोहरे की स्थिति बनने लगी है। मौसम में आए इस बदलाव से ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में ठंड के साथ वायु प्रदूषण ने भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। पंजाब में आज सुबह कोहरा छाया रहा, वहीं कई शहरों में हल्की बारिश भी हुई है। जिस कारण ठंड बढ़ गई है। वहीं, मध्य प्रदेश में गुरुवार रात राज्य के 20 शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश में शुक्रवार सुबह लखनऊ और कानपुर समेत करीब 20 शहरों में कोहरा देखने को मिला। प्रदेश में रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। हरदोई में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। उधर राजस्थान में मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए आंधी और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं,उत्तराखंड में भी मौसम का मिजाज बदलने के आसार हैं। राज्य के सात जिलों में शुक्रवार को बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा 3,200 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। शुक्रवार सुबह उत्तराखंड के प्रमुख तीर्थस्थलों में तापमान शून्य से काफी नीचे दर्ज किया गया। केदारनाथ में पारा माइनस 8 डिग्री, बद्रीनाथ में माइनस 7 डिग्री, गंगोत्री में माइनस 12 डिग्री और यमुनोत्री में माइनस 7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तराखंड के पांच जिलों में शनिवार और रविवार को बारिश होने की संभावना है। इनमें उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग,चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ शामिल हैं। राज्य के अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक,इसके बाद 18 नवंबर तक प्रदेश में मौसम साफ रहने की संभावना है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में गिरते तापमान के कारण आने वाले दिनों में ठंड का असर और बढ़ सकता है।

स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई,एक की मौत,एक घायल

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो के पेड़ से टकराने से एक युवक की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया है। सूचना के बाद पहुंची पुलिस जांच में जुटी गई है। यह घटना कोरबा के बांकी मोंगरा थाना क्षेत्र के इंद्रा नगर इलाके में हुई। जानकारी के मुताबिक स्कॉर्पियो में चालक समेत दो युवक सवार थे। तेज गति में गाड़ी अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। उन्होंने पुलिस को सूचना दी और दूसरे घायल को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। मृतक की पहचान रुपेश पटेल निवासी चाकाबुड़ा के रूप में हुई है। वहीं, घायल युवक की पहचान आर्यन गोड़ निवासी ग्राम बुंदेली के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 18 साल बताई जा रही है। बता दें इससे पहले विगत सोमवार को छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना राजिम के टीला एनीकट में हुई थी।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शनिवार 14 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता

जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्त्वपूर्ण नहीं रहते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं जन समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। सड़कों पर उतरे असंतोष की चपेट में आने वाला सबसे नया देश इंडोनेशिया बना है। इससे पहले फ्रांस से लेकर अर्जेंटीना और इटली से लेकर ट्यूनिशिया तक में छात्र और युवाओं ने सड़कों पर उतर कर वहां मौजूद हालात पर अपना विरोध जताया है। इस सिलसिले में यह वाजिब राय बनी है कि दुनिया के अलग-अलग कोनों से जन प्रदर्शनों और आंदोलनों की आ रही तस्वीरें दरअसल एक बड़े वैश्विक संकट और बढ़ते जा रहे युवा असंतोष की ओर इशारा करती हैं। यूरोप के समृद्ध देशों में भी बढ़ती महंगाई शिक्षा के गिरते स्तर से असंतुष्ट नौजवान सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए हैं। लगभग हर जगह वे संस्थानों से निष्पक्षता, पारदर्शिता, और अपने लिए बेहतर भविष्य की मांग कर रहे हैं। फ्रांस में स्कूलों की खराब स्थिति, बेल्जियम, ग्रीस और अर्जेंटीना में उच्च शिक्षा बजट में कटौती, और स्पेन एवं पुर्तगाल में मकान किराये में बेलगाम बढ़ोतरी ने नौजवानों में गुस्सा भड़काया है। अल्बानिया में छात्रों ने भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है और शिक्षा सुधारों की मांग कर रहे हैं, जबकि ट्यूनिशिया में आर्थिक तंगी के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों और सिकुड़ती गई स्वतंत्रताओं को लेकर गहरा आक्रोश है। इंडोनेशिया में महंगाई ने नौजवानों को सड़क पर आने के लिए विवश किया है। स्पष्ट है कि ये आंदोलन छिटपुट घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वर्तमान आर्थिक और संस्थागत ढांचों के प्रति नई पीढ़ी में गहराए अविश्वास का परिणाम हैं। नव-उदारवाद के दौर में दुनिया भर में शिक्षा के व्यापारीकरण हुआ है, वहीं मकान, बिजली, और रोजगार के अवसर आदि युवाओं की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्त्वपूर्ण नहीं रह जाते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। अत: आंसू गैस, वॉटर कैनन, या धर-पकड़ जैसे बल प्रयोग से जन आक्रोश को दबाने का तरीका अस्थायी रूप से ही कारगर हो सकता है। सत्ताधारियों ने यह बात नहीं समझी, तो वे अधिक बड़ी उथल-पुथल को आमंत्रित करेंगे। और यह बात हर देश पर लागू होती है!

राशिफल



मेष राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज परिवारजनों के साथ पार्टी करेंगे। विद्यार्थी आज काम और पढ़ाई में बैलेंस बनाकर चलेंगे। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। राजनीति में आपकी छबी मजबूत बनेगी, ज्यादा लोगों से आप जुड़ेंगे। सहयोगियों से हर संभव मदद मिलती रहेगी।

वृष राशि- आज आपका दिन अच्छा गुजरेगा। शिक्षक आज किसी मीटिंग में शामिल होंगे। आज बड़ों से कुछ नया सीखने को मिलेगा, जो आगे चलकर आपके काम आयेगा। वर्क फॉम होम कर रही महिलाओं का काम अच्छा चलेगा।

मिथुन राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज बेटी के करियर को लेकर, उनके शिक्षकों से विचार-विमर्श करेंगे। आज स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज के दिन आप कुछ नया करने की कोशिश कर सकते है आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

कर्क राशि- आज का दिन कार्य क्षेत्र में अच्छा लाभ दिलाने वाला है। संतान की चिंता कम होगी, अच्छी जॉब लगने से घर में उत्सव सा माहौल बना रहेगा। नया वाहन खरीदने की उत्सुकता आपके मन में रहेगी। आयात-निर्यात का काम कर रहे लोगों को सफलता मिलेगी।

सिंह राशि- आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आएगा। किसानों को अपने श्रम का अच्छा लाभ मिलेगा। आपका स्वास्थ्य रोज की अपेक्षा अच्छा रहने वाला है। पारिवारिक परिस्थितियों में पहले से बेहतर सुधार आयेगा। आप किसी के साथ फालतू वाद विवाद में न पड़ें।

कन्या राशि- आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। विद्यार्थियों को बेहतर करियर का चुनाव करने के लिए अच्छे अवसर मिलेंगे। आज आप किसी काम में पूरी तरह व्यस्त रहेंगे। आज आपको प्रापर्टी खरीदने से लाभ मिलेगा।

तुला राशि- आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी, परिवार में अनुष्ठान होने का योग बन रहा है। अधिकारियों के सहयोग से रुके काम में सफलता मिलेगी। आज परिवारजनों के साथ प्यार और स्नेह बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आप परिवार की जिम्मेदारी को बखूबी निभायेंगे। व्यापार में आपकी मेहनत से अच्छी सफलता मिलेगी। छात्र अपने प्रैक्टिकल में नए विचारों को जोड़ सकते हैं। आज परिवार में किसी अनुष्ठान के होने से आपका खर्च बढ़ेगा।

धनु राशि- आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आपका मनचाहा काम पूरा होने का योग बन रहा हैं। घर बनवा रहे लोगों का काम आगे बढेगा। अपने काम को किसी नए तरीके से करने की योजना आप सोच सकते हैं। घर पर अलग-अलग डिश का आनंद लेंगे।

मकर राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपने सहपाठियों की मदद मिलेगी, जिससे दोस्ती में मिठास बढ़ेगी। पारिवारिक समस्याएं खत्म होंगी, घर में सुख शांति का महौल बनेगा। कार्य क्षेत्र में आ रही बाधाएं आज समाप्त होंगी, काम करने में सरलता होगी।

कुंभ राशि- आज आपकी दिनचर्या अच्छी रहेगी। आज आपके विरोधी परास्त होंगे। आज आप किसी नए विषय पर घरवालों से चर्चा करेंगे, आपके विचारों से लोग सहमत होंगे। नया रोजगार मिलने से आर्थिक स्थिति में बेहतर सुधार आयेगा। दोस्तों से काफी दिन बाद फोन पर काफी लम्बी बात होगी।

मीन राशि- आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। पारिवारिक समस्याओं से आज छुटकारा मिलेगा। सकारात्मक सोच के साथ आपके रुके काम बन जायेंगे शिक्षकों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज दूसरे लोग भी आपकी काम करने की योजना से बहुत कुछ सीखेंगे।

सरगुजा की जीवनदायिनी श्याम घुनघुट्टा परियोजना बनी अन्नदाताओं का सहारा

श्याम घुनघुट्टा परियोजना की उपयोगिता केवल खेतों की सिंचाई तक सीमित नहीं है। यह अम्बिकापुर शहर की पेयजल आपूर्ति का भी प्रमुख आधार है। एक ओर परियोजना की नहरें ग्रामीण क्षेत्रों में खेती-किसानी को सहारा दे रही हैं, वहीं दूसरी ओर इससे नगर निगम अम्बिकापुर को अमृत योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 8.93 मिलियन घनमीटर जल उपलब्ध कराया जा रहा है। 35 वर्ष पुरानी नहरों को मिला नया जीवन, 23.81 करोड़ रुपये से हुआ जीर्णोद्धार जल संसाधन संभाग क्रमांक-01, अम्बिकापुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्याम घुनघुट्टा परियोजना लगभग 35 वर्ष पुरानी है। लंबे समय से संचालित इस परियोजना की नहरों में समय के साथ कई स्थानों पर दरारें पड़ गई थीं। इसके अलावा जलीय जीव-जंतुओं द्वारा बिल बनाए जाने से भी नहरों के क्षतिग्रस्त होने की समस्या सामने आती थी। नहरों के क्षतिग्रस्त होने से जल प्रवाह प्रभावित होता था। कई स्थानों पर पानी के रिसाव और नहरों की खराब स्थिति के कारण सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने में कठिनाइयां होती थीं। इससे किसानों को आवश्यकतानुसार सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी प्रभावित होती थी। इन समस्याओं के समाधान के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा नहरों के जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग कार्य की योजना तैयार की गई। इसके अंतर्गत 08 मार्च 2019 को 2381.84 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।



खेतों में लहलहाती फसलों के लिए पानी सबसे बड़ी जरूरत है। जब बारिश कम होती है और खेतों में नमी घटने लगती है, तब सिंचाई के भरोसेमंद साधन किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होते। सरगुजा जिले की श्याम घुनघुट्टा परियोजना वर्षों से किसानों की इसी जरूरत को पूरा कर रही है। जिले की जीवनदायिनी कही जाने वाली इस परियोजना की 236 किलोमीटर लंबी नहर प्रणाली के माध्यम से 63 गांवों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंच रहा है। लगभग 35 वर्ष पुरानी नहरों के जीर्णोद्धार और लाइनिंग कार्य से जल वितरण व्यवस्था को मजबूती मिली है। विशेष रूप से अल्प वर्षा के दौरान परियोजना किसानों के लिए महत्वपूर्ण सहारा साबित हुई है। श्याम घुनघुट्टा परियोजना की उपयोगिता केवल खेतों की सिंचाई तक सीमित नहीं है। यह अम्बिकापुर शहर की पेयजल आपूर्ति का भी प्रमुख आधार है। एक ओर परियोजना की नहरें ग्रामीण क्षेत्रों में खेती-किसानी को सहारा दे रही हैं, वहीं दूसरी ओर इससे नगर निगम अम्बिकापुर को अमृत योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 8.93 मिलियन घनमीटर जल उपलब्ध कराया जा रहा है। 35 वर्ष पुरानी नहरों को मिला नया जीवन, 23.81 करोड़ रुपये से हुआ जीर्णोद्धार जल संसाधन संभाग क्रमांक-01, अम्बिकापुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्याम घुनघुट्टा परियोजना लगभग 35 वर्ष पुरानी है। लंबे समय से संचालित इस परियोजना की नहरों में समय के साथ कई स्थानों पर दरारें पड़ गई थीं। इसके अलावा जलीय जीव-जंतुओं द्वारा बिल बनाए जाने से भी नहरों के क्षतिग्रस्त होने की समस्या सामने आती थी। नहरों के क्षतिग्रस्त होने से जल प्रवाह प्रभावित होता था। कई स्थानों पर पानी के रिसाव और नहरों की खराब स्थिति के कारण सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने में कठिनाइयां होती थीं। इससे किसानों को आवश्यकतानुसार सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी प्रभावित होती थी। इन समस्याओं के समाधान के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा नहरों के जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग कार्य की योजना तैयार की गई। इसके अंतर्गत 08 मार्च 2019 को 2381.84 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृत राशि से नहरों का जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग कार्य पूर्ण कराया गया है। इससे पुरानी नहरों की स्थिति में सुधार हुआ है और सिंचाई के लिए जल प्रवाह एवं वितरण व्यवस्था पहले की तुलना में बेहतर हुई है। जब बारिश ने छोड़ा साथ, तब नहरों के पानी ने किसानों को दी राहत सरगुजा जिले में वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 के दौरान अल्प वर्षा की स्थिति बनी थी। पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण किसानों के सामने फसलों की सिंचाई की समस्या उत्पन्न हो गई थी। खेतों में पानी की कमी से कृषि कार्य प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई थी। ऐसे समय में श्याम घुनघुट्टा परियोजना किसानों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बनी। परियोजना की नहर प्रणाली के माध्यम से जिले के 63 गांवों में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया गया। इससे किसानों को वर्षा की कमी के बावजूद कृषि कार्य जारी रखने में सहायता मिली। जिन किसानों की खेती वर्षा पर निर्भर रहती है, उनके लिए जरूरत के समय सिंचाई का पानी उपलब्ध होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्याम घुनघुट्टा परियोजना ने अल्प वर्षा की स्थिति में भी खेतों तक पानी पहुंचाकर कृषि गतिविधियों को सहारा देने में अपनी उपयोगिता साबित की है। 236 किलोमीटर की नहर प्रणाली, 63 गांवों की खेती को मिल रहा संबल श्याम घुनघुट्टा परियोजना के अंतर्गत लगभग 236 किलोमीटर लंबी नहर प्रणाली विकसित है। इस विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से जिले के 63 गांवों तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाया जा रहा है। नहरों के जीर्णोद्धार और लाइनिंग कार्य से जल प्रवाह की व्यवस्था में सुधार हुआ है। क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत होने से पानी के वितरण को अधिक व्यवस्थित बनाने में सहायता मिली है। परियोजना से उपलब्ध सिंचाई सुविधा किसानों को कृषि कार्यों के लिए पानी का महत्वपूर्ण स्रोत प्रदान कर रही है। विशेष रूप से वर्षा की अनिश्चितता के बीच नहरों से पानी मिलने से खेती के लिए अतिरिक्त सहारा उपलब्ध होता है। खेतों को पानी देने के साथ अम्बिकापुर शहर की भी बुझा रही प्यास श्याम घुनघुट्टा परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों की सिंचाई व्यवस्था के साथ अम्बिकापुर शहर की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। परियोजना से नगर निगम अम्बिकापुर को अमृत योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 8.93 मिलियन घनमीटर जल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस जल का उपयोग शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए किया जाता है। इस प्रकार एक ही जल परियोजना ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा कर रही है। गांवों में किसानों को खेती के लिए पानी मिल रहा है, वहीं शहर में नागरिकों की पेयजल जरूरतों को पूरा करने के लिए भी जल उपलब्ध कराया जा रहा है। जल संरक्षण और बेहतर प्रबंधन से मजबूत हुई सिंचाई व्यवस्था जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन कृषि विकास और नागरिक सुविधाओं के लिए आवश्यक है। पुरानी नहरों की मरम्मत और लाइनिंग कार्य से उपलब्ध जल के अधिक व्यवस्थित उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। श्याम घुनघुट्टा परियोजना के अंतर्गत किए गए जीर्णोद्धार कार्यों से नहरों की संरचनात्मक स्थिति बेहतर हुई है। इससे जल प्रवाह और वितरण में आने वाली बाधाओं को कम करने में सहायता मिली है। परियोजना का अनुभव यह भी दर्शाता है कि पहले से उपलब्ध जल संसाधन संरचनाओं का संरक्षण और समय पर रखरखाव ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाओं को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। सरगुजा के किसानों और शहरवासियों के लिए जीवनदायिनी बनी परियोजना श्याम घुनघुट्टा परियोजना आज सरगुजा जिले की कृषि और पेयजल व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है। लगभग 35 वर्ष पुरानी इस परियोजना ने समय के साथ किसानों और नागरिकों की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 23.81 करोड़ रुपये की लागत से नहरों के जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग कार्य पूर्ण होने से सिंचाई व्यवस्था को मजबूती मिली है। 236 किलोमीटर लंबी नहर प्रणाली के माध्यम से 63 गांवों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है, जबकि अम्बिकापुर शहर को भी पेयजल आपूर्ति के लिए जल प्राप्त हो रहा है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत श्याम घुनघुट्टा परियोजना की यह उपलब्धि जल संसाधनों के संरक्षण, बेहतर प्रबंधन और जनसुविधाओं के विस्तार का महत्वपूर्ण उदाहरण है। बारिश की कमी के समय खेतों तक पहुंचने वाला पानी किसानों की मेहनत को सहारा देता है, वहीं शहर की पेयजल जरूरतों को पूरा करने में भी परियोजना की अहम भूमिका है। सरगुजा की यह जीवनदायिनी परियोजना खेतों की सिंचाई और नागरिकों की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करते हुए ग्रामीण एवं शहरी जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण जल स्रोत बनी हुई है।

मत्स्य पालन से समृद्ध हो रही सरगुजा की ग्रामीण अर्थव्यवस्थ

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में अब खेतों और तालाबों के साथ आजीविका डबरियां, जलाशय और अमृत सरोवर भी किसानों तथा ग्रामीण परिवारों की आर्थिक समृद्धि का माध्यम बन रहे हैं। खेती और पशुपालन के साथ मत्स्य पालन को अपनाकर ग्रामीण परिवार अपनी आय के स्रोत बढ़ा रहे हैं। सरगुजा जिले में शासन की विभिन्न योजनाओं, मत्स्य पालन विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और स्थानीय जल संसाधनों के बेहतर उपयोग से आजीविका के नए अवसर विकसित हो रहे हैं। कहीं मछुआरा सहकारी समितियों के सैकड़ों सदस्य सामूहिक मत्स्य पालन से अपने परिवारों का भरण-पोषण कर रहे हैं, तो कहीं किसान डबरी में मछली पालन के साथ सब्जी उत्पादन और सिंचाई का लाभ उठा रहे हैं। वहीं स्व-सहायता समूहों की महिलाएं अमृत सरोवरों में मछली पालन कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाने और स्वरोजगार के अवसरों का विस्तार करने की दिशा में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मिलने वाली अनुदान सहायता और विभागीय मार्गदर्शन से मत्स्य पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने के अवसर बढ़ रहे हैं। सरगुजा जिले में पारंपरिक जलाशयों से लेकर आधुनिक बायोफ्लॉक तकनीक तक मत्स्य पालन के विविध स्वरूप सामने आ रहे हैं। इन प्रयासों की विशेषता यह है कि ग्रामीण परिवार उपलब्ध भूमि और जल संसाधनों का उपयोग एक से अधिक आजीविका गतिविधियों के लिए कर रहे हैं। घुनघुट्टा जलाशय बना 381 मछुआरों की आजीविका का आधार सरगुजा जिले का घुनघुट्टा जलाशय सामूहिक मत्स्य पालन के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को आजीविका उपलब्ध कराने का उदाहरण है। यहां आदिवासी मछुआ सहकारी समिति, कलगसा के 381 सदस्य मत्स्य पालन से जुड़े हुए हैं। समिति को जलाशय 10 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर उपलब्ध कराया गया है, जिससे सदस्य संगठित रूप से मत्स्य उत्पादन की गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। जलाशय में मछली पालन से जुड़े कार्य इन परिवारों के लिए आजीविका का महत्वपूर्ण साधन बने हुए हैं। समिति के अध्यक्ष श्री राम बिलोच राम बताते हैं कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मछली बीज के लिए 7 लाख 62 हजार रुपये की अनुदान सहायता मिलती है। इस सहयोग से जलाशय में मत्स्य उत्पादन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है। सहकारी समिति के माध्यम से सामूहिक प्रयासों का लाभ बड़ी संख्या में मछुआरा परिवारों तक पहुंच रहा है। घुनघुट्टा जलाशय का यह उदाहरण दर्शाता है कि उपलब्ध जल संसाधनों का योजनाबद्ध उपयोग और सहकारी व्यवस्था ग्रामीण परिवारों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर विकसित करने में सहायक हो सकती है। आजीविका डबरियों से मछली पालन और खेती को दोहरा लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित आजीविका डबरियां अब केवल वर्षा जल संरक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि किसानों के लिए अतिरिक्त आय का माध्यम भी बन रही हैं। इन डबरियों में वर्षा जल का संचय कर किसान मछली पालन कर रहे हैं और आवश्यकता के अनुसार पानी का उपयोग सब्जी उत्पादन तथा फसलों की सिंचाई में भी कर रहे हैं। इससे एक ही संसाधन का उपयोग कई आर्थिक गतिविधियों के लिए संभव हो रहा है। लखनपुर विकासखंड के किसान श्री शिवबालक ने अपनी आजीविका डबरी में कतला, रोहू, मृगल और ग्रास कार्प प्रजाति की मछलियों का पालन किया। उन्होंने लगभग दो क्विंटल मछली की बिक्री कर 20 से 25 हजार रुपये की आमदनी प्राप्त की। मछली पालन के साथ वे डबरी में संचित पानी का उपयोग सब्जी उत्पादन के लिए भी करते हैं। इस प्रकार डबरी उनके लिए जल संरक्षण, मत्स्य पालन और खेती को जोड़ने वाला उपयोगी संसाधन बन गई है। इसी तरह बतौली विकासखंड के किसान श्री लक्ष्मी प्रसाद ने डबरी में मछली पालन से लगभग एक लाख रुपये की आय अर्जित की है। उन्होंने करीब 20 क्विंटल मछली उत्पादन का आकलन किया है। डबरी में उपलब्ध पानी का उपयोग वे साग-सब्जी और गेहूं की सिंचाई के लिए भी कर रहे हैं। मत्स्य पालन से प्राप्त आय और सिंचाई की सुविधा ने उनके कृषि कार्यों को अतिरिक्त सहारा दिया है। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि जल संरक्षण के लिए विकसित संरचनाओं को आजीविका गतिविधियों से जोड़ने पर किसानों को अतिरिक्त आर्थिक अवसर मिल सकते हैं। पहाड़ी कोरवा परिवार भी अपना रहे मछली पालन, डबरी की मेड़ों पर फलदार पौधों से अतिरिक्त आय की तैयारी सरगुजा जिले में आजीविका डबरियों के माध्यम से मत्स्य पालन का विस्तार अन्य ग्रामीण परिवारों तक भी हो रहा है। अम्बिकापुर विकासखंड की श्रीमती जोशमनि एक्का के परिवार ने 2 लाख 99 हजार रुपये की लागत से निर्मित डबरी में मछली पालन शुरू किया है। वहीं लखनपुर विकासखंड के किसान श्री कनी लाल बड़ा ने अपनी डबरी में 9 किलोग्राम मछली बीज डालकर मत्स्य पालन को सब्जी उत्पादन से जोड़ा है। इन गतिविधियों से परिवारों को खेती के साथ अतिरिक्त आय अर्जित करने की संभावनाएं मिल रही हैं। ग्राम लोसगी के पहाड़ी कोरवा किसान श्री ठिबुल राम ने भी आजीविका डबरी का बहुउद्देशीय उपयोग शुरू किया है। उन्होंने डबरी में 17 किलोग्राम मछली बीज डाला है। इसके साथ ही डबरी की मेड़ों पर अरहर, आम, मुनगा और नींबू के पौधे लगाए हैं। उनका प्रयास मछली पालन के साथ कृषि एवं बागवानी गतिविधियों को जोड़ने का उदाहरण है। मछलियों की बढ़वार और पौधों के विकसित होने के बाद इन गतिविधियों से परिवार को अतिरिक्त आय मिलने की संभावना है। इस प्रकार डबरी केवल जल संग्रहण की संरचना नहीं रहकर विविध आजीविका गतिविधियों का आधार बन रही है। अमृत सरोवर में मछली पालन से महिलाओं को मिला स्वरोजगार का अवसर सरगुजा जिले में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं भी मत्स्य पालन के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। बतौली विकासखंड की ग्राम पंचायत बिरीमकेला में ज्योति स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने अमृत सरोवर में सामूहिक रूप से मछली पालन शुरू किया है। समूह की सदस्य श्रीमती रजनी चौहान बताती हैं कि महिलाओं ने पहली बार लगभग 15 किलोग्राम मछली की बिक्री कर आमदनी प्राप्त की। इस शुरुआती सफलता से उत्साहित होकर समूह ने दोबारा मछली बीज डाला है और मत्स्य पालन की गतिविधि को आगे बढ़ाया है। महिलाओं के लिए यह पहल केवल अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर नहीं, बल्कि सामूहिक उद्यमिता की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। समूह के माध्यम से काम करने पर महिलाएं मछली बीज संचयन, देखभाल, उत्पादन और बिक्री जैसी गतिविधियों में अपनी भागीदारी बढ़ा सकती हैं। अमृत सरोवर जैसे सामुदायिक जल संसाधनों का आजीविका के लिए उपयोग ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की संभावनाएं विकसित कर रहा है। बायोफ्लॉक तकनीक से सीमित स्थान में मत्स्य पालन की नई संभावनाएं पारंपरिक तालाबों और जलाशयों के साथ आधुनिक बायोफ्लॉक तकनीक भी सरगुजा जिले में मत्स्य पालन के नए अवसर उपलब्ध करा रही है। इस तकनीक के माध्यम से सीमित स्थान में नियंत्रित परिस्थितियों के अंतर्गत मछली पालन किया जा सकता है। विशेष रूप से ऐसे हितग्राहियों के लिए यह पद्धति उपयोगी हो सकती है, जिनके पास बड़े तालाब उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन वे अपनी भूमि पर व्यावसायिक मत्स्य पालन शुरू करना चाहते हैं। श्रीमती चंपा मंडल ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 14 लाख रुपये की लागत से बायोफ्लॉक इकाई स्थापित की है। इसके लिए उन्हें 8 लाख 40 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। उनकी इकाई में लगभग चार माह से मछलियों का पालन किया जा रहा है और वे बिक्री की तैयारी कर रही हैं। उन्हें थोक बाजार में लगभग 120 रुपये प्रति किलोग्राम का भाव मिलने की उम्मीद है। हालांकि वास्तविक आय मछलियों के उत्पादन, बिक्री के समय मिलने वाले बाजार भाव और संचालन लागत पर निर्भर करेगी। इसी प्रकार श्री विप्लब हलदर ने भी मत्स्य पालन विभाग के मार्गदर्शन से बायोफ्लॉक पद्धति अपनाई है। उनकी इकाई में मछलियां वर्तमान में बढ़वार की अवस्था में हैं और लगभग तीन माह बाद बिक्री योग्य होने की उम्मीद है। इन दोनों हितग्राहियों के प्रयास दर्शाते हैं कि तकनीकी मार्गदर्शन और योजनागत सहायता से ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक मत्स्य पालन की संभावनाओं का विस्तार किया जा सकता है। बायोफ्लॉक तकनीक में पानी की गुणवत्ता, मछलियों के आहार, ऑक्सीजन की उपलब्धता और नियमित निगरानी का विशेष महत्व होता है, इसलिए वैज्ञानिक प्रबंधन इसकी सफलता के लिए आवश्यक है। मछली उत्पादन के साथ परिवहन, विपणन और अन्य गतिविधियों में भी रोजगार की संभावनाएं मत्स्य पालन का महत्व केवल मछली उत्पादन और बिक्री तक सीमित नहीं है। इस व्यवसाय से मछली बीज संचयन, आहार प्रबंधन, तालाबों की देखभाल, मछली पकड़ने, छंटाई, परिवहन और बाजार में बिक्री जैसी अनेक गतिविधियां जुड़ी होती हैं। इन कार्यों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अतिरिक्त अवसर विकसित हो सकते हैं। विशेष रूप से सहकारी समितियों और स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मत्स्य पालन करने पर सामूहिक संसाधनों का बेहतर उपयोग और आय के अवसरों का विस्तार संभव है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार मिलने वाली अनुदान सहायता मत्स्य पालन इकाइयों की स्थापना में सहयोग प्रदान करती है। इसके साथ विभागीय प्रशिक्षण, गुणवत्तापूर्ण मछली बीज, उचित आहार, जल प्रबंधन और बाजार तक पहुंच भी महत्वपूर्ण है। मत्स्य पालन को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए उत्पादन लागत और बिक्री से प्राप्त आय का सही आकलन आवश्यक है, क्योंकि कुल बिक्री राशि और वास्तविक शुद्ध लाभ अलग-अलग होते हैं। वैज्ञानिक पद्धतियों और बेहतर विपणन व्यवस्था से इस व्यवसाय की आर्थिक संभावनाओं को मजबूत किया जा सकता है। जल संरक्षण और आजीविका का संगम, आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते कदम सरगुजा जिले में मत्स्य पालन से जुड़ी ये पहल ग्रामीण विकास की उस दिशा को सामने लाती हैं, जिसमें उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए उन्हें आजीविका से जोड़ा जा रहा है। घुनघुट्टा जलाशय में 381 मछुआरों की सामूहिक आजीविका, किसानों की डबरियों में मछली पालन के साथ सिंचाई और सब्जी उत्पादन, अमृत सरोवर में महिलाओं का सामूहिक स्वरोजगार तथा बायोफ्लॉक तकनीक से आधुनिक मत्स्य पालन के प्रयास इस बदलाव के अलग-अलग उदाहरण हैं। इन गतिविधियों से ग्रामीण परिवारों को पारंपरिक कृषि कार्यों के अतिरिक्त आय के नए स्रोत विकसित करने का अवसर मिल रहा है।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली



चैत का महीना था, लेकिन वे खलियान, जहाँ अनाज की ढेरियाँ लगी रहती थीं, पशुओं के शरणस्थल बने हुए थे, जहाँ घरों से फाग और बसंत की अलाप सुनाई पड़ती, वहाँ आज भाग्य का रोना था। सारा चौमासा बीत गया पानी की एक बूँद न गिरी। जेठ में एक बार मूसलाधार वृष्टि हुई थी, किसान फूले न समाये, खरीफ की फसल बो दी, लेकिन इन्द्रदेव ने अपना सर्वस्य शायद एक ही बार लुटा दिया था। पौधे उगे बड़े और सूख गये। गोचर भूमि में घास न जमी ! बादल आते, घटाये उमड़ती, ऐसा मालूम होता कि जल-थल एक हो जायेगा, परन्तु वे आशा की नहीं, दु:ख की घटायें थीं। किसानों ने बहुतेरे जप-तप किये, ईट और पत्थर देवी और देवताओं के नाम से पुजाये, बलिदान किये, पानी की अभिलाषा में रक्त के प्याले बह गये, लेकिन इंद्रदेव किसी तरह न पसीजे। न खेतों में पौधे थे, न गोचरों में घास, न तालाबों में पानी, बड़ी मुसीबत का सामना था। जिधर देखिए धूल उड़ रही थी। दरिद्रता और क्षुधा-पीड़ा के दारुण दृश्य दिखायी देते थे। लोगों ने पहले तो गहने और बर्तन गिरवी रखे और अंत में बेच डाले। फिर जानवरों की बारी आयी और जब जीविका का अन्य कोई सहारा न रहा तब जन्मभूमि पर जान देने वाले किसान बाल-बच्चों को लेकर मजदूरी करने निकल पड़े। अकाल-पीडितों की सहायता के लिए कहीं-कहीं सरकार की सहायता से काम खुल गया था। बहुतेरे वहीं जाकर जमे। जहाँ जिसको सुभीता हुआ, वह उधर ही जा निकला।

संध्या का समय था। जादोराय थका-माँदा आकर बैठ गया और स्त्री से उदास होकर बोला- दरखास्त नामंजूर हो गयी। यह कहते-कहते वह आंगन में जमीन पर लेट गया। उसका मुख पीला पड़ रहा था और आँते सिकुड़ी जा रही थीं। आज दो दिन से उसने दाने की सूरत नहीं देखी। घर में जो कुछ विभूति थी—गहने, कपड़े, बर्तन-भाड़ें सब पेट में समा गए। गाँव का साहूकार भी पतिव्रता स्त्रियों की भाँति आँखें चुराने लगा। केवल तकाबी का सहारा था, उसी के लिए दरख्वास्त दी थी, लेकिन आज वह भी नामंजूर हो गई, आशा का झिलमिलाता हुआ दीपक बुझ गया।देवकी ने पति को करुण दृष्टि से देखा। उसकी आँखों में आँसू उमड़ आये। पति दिन-भर का थका-माँदा घर आया है। उसे क्या खिलावे ? लज्जा के मारे वह हाथ-पैर धोने के लिए वह पानी भी न लायी। जब हाथ-पैर धोकर आशा-भरी चितवन से वह उसकी ओर देखेगा तब वह उसे क्या खाने को देगी ? उसने आज कई दिन से दाने की सूरत नहीं देखी थी। लेकिन उस समय उसे जो दुख हुआ, वह, वह क्षुधातुरता के कष्ट से कई गुना अधिक था। स्त्री घर की लक्ष्मी है। घर के प्राणियों को खिलाना-पिलाना वह अपना कर्तव्य समझती है। और चाहे यह उसका अन्याय ही क्यों न हो, लेकिन अपनी दीन-हीन दशा पर जो मानसिक वेदना उसे होती है, वह पुरुषों को नहीं हो सकती। हठात् उसका बच्चा साधो नींद से चौंका और मिठाई के लालच में आकर वह बाप से लिपट गया। इस बच्चे ने आज प्रात: काल चने की रोटी का एक टुकड़ा खाया था और तब से कई बार उठा और कई बार रोते-रोते सो गया। चार वर्ष का नादान बच्चा, उसे वर्षा और मिठाईयों में कोई सम्बन्ध नहीं दिखाई देता था। जादोराय ने उसे गोद में उठा लिया, उसकी ओर दु:ख भरी दृष्टि से देखा। गर्दन झुक गयी और हृदय की पीड़ा आँखों में न समा सकी।

दूसरे दिन यह परिवार भी घर से बाहर निकला। जिस तरह पुरुषों के चित्त से अभिमान और स्त्री की आँख से लज्जा नहीं निकलती, उसी तरह अपनी मेहनत से रोटी कमाने वाला किसान भी मजदूर की खोज में घर से बाहर नहीं निकलता। लेकिन पापी पेट, तू सब कुछ करा सकता है ! मान और अभिमान, ग्लानि और लज्जा ये सब चमकते हुए तारे तेरी काली घटाओं में छिप जाते हैं। प्रभात का समय था। दोनों विपत्ति के सताये घर से निकले। जादोराय ने लड़के को पीठ पर लिटा लिया। देवकी ने फटे-पुराने कपड़ों की गठरी सिर पर रखी। जिस पर विपत्ति को भी तरस आता। दोनों की आँखें आँसुओं से भरी थीं। देवकी रोती थी। जादोराय चुपचाप था। गाँव के दो-चार आदमियों से रास्ते में भेंट भी हुई, किंतु किसी ने इतना भी न पूछा कि कहाँ जाते हो ? किसी के हृदय में सहानुभूति का वास न था। जब ये लालगंज पहुँचे, उस समय सूर्य ठीक सिर पर था। देखा मीलों तक आदमी ही आदमी दिखाई देते थे। लेकिन हर चेहरे पर दीनता और दुख के चिह्न झलक रहे थे। बैसाख की जलती हुई धूप थी। आग के झोंके जोर-जोर से लहराते हुए चल रहे थे। ऐसे समय में हड्डियों के अगणित ढाँचे जिनके शरीर पर किसी प्रकार का कपड़ा न था, मिट्टी खोदने में लगे हुए थे। मानो वह मरघट भूमि थी। जहाँ मुर्दे अपने हाथों अपनी कब्रें खोद रहे थे। बूढ़े और जवान, मर्द और बच्चे, सब ऐसे निराश और विविश होकर काम में लगे हुए थे मानो मृत्यु और भूख उनको सामने बैठे घूर रही है। इस आफत में न कोई किसी का मित्र था न हितू। दया, सहृदयता और प्रेम ये सब मानवीय भाव हैं। जिनका कर्तृता मनुष्य है। प्रकृति ने हमको केवल एक भाव प्रदान किया है और वह स्वार्थ ईश्वरप्रदत्त गुण कभी हमारा गला नहीं छोड़ता।

आठ दिन बीत गये थे। संध्या समय काम समाप्त हो चुका था। डेरे से कुछ दूर आम का एक बाग था। वहीं एक पेड़ के नीचे जादोराय और देवकी बैठी हुई थी। दोनों ऐसे कृश हो रहे थे कि उनकी सूरत नहीं पहचानी जाती थी। अब स्वाधीन कृषक नहीं रहे। समय के हेरफेर से आज दोनों मजबूर बने बैठे हैं। जादोराय ने बच्चे को जमीन पर सुला दिया। उसे कई दिन से बुखार आ रहा है। कमल-सा चेहरा मुरझा गया। देवकी ने धीरे से हिला कर कहा- बेटा ! आँखें खोलो। देखो साँझ हो गयी। साधो ने आँखें खोल दीं, बुखार उतर गया था। बोला-क्या हम घर आ गये माँ ? घर की याद आ गयी। देवकी की आँखें डबडबा आयीं। कहा-नहीं बेटा ! तुम अच्छे हो जाओगे, तो घर चलेंगे। उठकर देखो, कैसा अच्छा बाग है।साधो मां के हाथों के सहारे उठा और बोला—माँ ! मुझे बड़ी भूख लगी है, लेकिन तुम्हारे पास कुछ तो नहीं है। मुझे खाने को क्या दोगी ?देवकी के हृदय में चोट लगी, पर धीरज धर के बोली ङ्कनहीं बेटा, तुम्हारे खाने को मेरे पास सब कुछ है। तुम्हारे दादा पानी लाते हैं तो मैं अभी नरम-नरम रोटियाँ बनाए देती हूँ।साधो ने मां की गोद में सिर रख लिया और बोला—माँ ! मैं न होता तो तुम्हें इतना दुख तो न होता। यह कहकर वह फूट-फूट कर रोने लगा। यह वही बे समझ बच्चा है, जो दो सप्ताह पहिले मिठाइयों के लिए दुनिया सिर पर उठा लेता था। दु:ख और चिंता ने कैसा अनर्थ कर दिया है। यह विपत्ति का फल है। कितना दुख पूर्ण, कितना करूणाजनक व्यापार है।इसी बीच में कई आदमी लालटेन लिए हुए वहाँ आए। फिर गाड़ियाँ आयीं। उन पर डेरे और खेमें लदे हुए थे। दम के दम वहाँ खेमे गड़ गए। सारे बाग में चहल-पहल नजर आने लगी। देवकी रोटियाँ सेंक रही थी, साधो धीरे-धीरे उठा और आश्चर्य से देखता हुआ डेरे के नजदीक जाके खड़ा हो गया !

पादरी मोहनदास खेमे से बाहर निकले तो साधो उन्हें खड़ा दिखाई दिया। उसकी सूरत पर उन्हें तरस आ गया। प्रेम की नदी उमड़ आयी। बच्चे को गोद में लेकर खेमे में एक गद्देदार कोच पर बैठा दिया और तब उसे बिस्कुट और केले खाने को दिए लड़के ने अपनी जिंदगी में इन स्वादिष्ट चीजों को कभी नहीं देखा। बुखार की बेचैन करने वाली भूख अलग मार रही थी। उसने खूब मन भर खाया और तब कृतज्ञ नेत्रों से देखते हुए पादरी साहब के पास जाकर बोला-तुम हमको रोज ऐसी चीजें खिलाओगे।पादरी साहब इस भोलेपन पर मुस्कुरा कर बोले मेरे पास इससे भी अच्छी-अच्छी चीजें हैं। इस पर साधोराय ने कहा-अब मैं रोज तुम्हारे पास आऊँगा।उधर देवकी ने रोटियाँ बनायी और साधो को पुकारने लगी। साधो ने माँ के पास जाकर कहा मुझे साहब ने अच्छी-अच्छी चीजें खाने को दी हैं। साहब बड़े अच्छे हैं।देवकी ने कहा मैंने तुम्हारे लिए नरम-नरम रोटियाँ बनायी है। आओ तुम्हें खिलाऊँ।साधो बोला-अब मैं न खाऊँगा। साहब कहते थे कि मैं तुम्हें रोज अच्छी-अच्छी चीजें खिलाऊँगा। मैं अब उनके साथ ही रहा करूँगा। मां ने समझा कि लड़का हँसी कर रहा है। उसे छाती से लगाकर बोलीङ्कक्यों बेटा, हमको भूल जाओगे ? देख मैं तुम्हें कितना प्यार करती हूँ।साधो तुतला कर बोला-तुम तो मुझे रोज चने की रोटियाँ दिया करती हो। तुम्हारे पास तो कुछ नहीं है। साहब मुझे केले और आम खिलावेंगे। यह कह कर वह फिर खेमे की ओर भागा और रात को वहीं सो रहा। ! पादरी मोहनदास का पड़ाव वहाँ तीन दिन रहा। साधो दिन भर उन्हीं के पास रहता। साहब ने उसे मीठी दवाइयाँ दीं। उसका बुखार जाता रहा। वह भोले-भाले यह देखकर साहब को आशीर्वाद देने लगे। लड़का भला चंगा हो गया और आराम से है। साहब को परमात्मा सुखी रखे। उन्होंने बच्चे की जान रख ली। चौथे दिन रात को ही वहाँ से पादरी साहब ने कूच किया। सुबह को जब देवकी उठी तो साधो का वहाँ पता न था। उसने समझा, कहीं टपके ढूँढ़ने गया होगा, किंतु थोड़ा देख कर उसने जादोराय से कहा- लल्लू यहाँ नहीं है। उसने भी यही कहा- यहीं कहीं टपके ढूँढ़ता होगा। लेकिन जब सूरज निकल आया और काम पर चलने का वक्त हुआ तब जादोराय को कुछ संशय हुआ। उसने कहा-तुम यहीं बैठी रहना, मैं अभी उसे लिए आता हूँ। जादोराय ने आस-पास के सब बागों को छान डाला और अन्त में जब दस बज गये तो निराश लौट आया। साधो न मिला, यह देख देवकी ढाढ़े मार कर रोने लगी। फिर दोनों अपने लाल की तलाश में निकले। अनेक विचार चित्त में आने-जाने लगे। देवकी को पूरा विश्वास था कि साहब ने उस पर कोई मंत्र डालकर वश में कर लिया। लेकिन जादो को इस कल्पना के मान लेने में कुछ संदेह था। बच्चा इतनी दूर अनजाने रास्ते पर अकेले नहीं आ सकता। फिर दोनों गाड़ी के पहियों और घोड़े के टापों के निशान देखते चले जाते थे। यहाँ तक की वे सड़क पर आ पहुँचे। वहाँ गाड़ी के बहुत से निशान थे। उस विशेष लीक की पहचान न हो सकती थी। घोड़े के टाप भी एक झाड़ी की तरफ गायब हो गये। आशा का सहारा टूट गया। दोपहर हो गयी थी। दोनों धूप के मारे बैचेन और निराशा से पागल हो गये। वहीं एक वृक्ष की छाया में बैठ गये। देवकी विलाप करने लगी। जादोराय ने उसे समझाना शुरू किया। जब जरा धूप की तेजी कम हुई तो दोनों फिर आगे चले। किंतु अब आशा की जगह निराशा साथ थी। घोड़े के टापों के साथ उम्मीद का धुँधला निशान गायब हो गया था। शाम हो गयी। इधर-उधर गायों-बैलों के झुंड निर्जीव से पड़े दिखायी देते थे। यह दोनों दुखिया हिम्मत हार कर एक पेड़ के नीचे टिक रहे। उसी वृक्ष पर मैना का एक जोड़ा बसेरा लिये था। उनका नन्हा-सा शावक आज ही एक शिकारी के चंगुल में फँस गया था। दोनों दिन भर उसे खोजते फिरे। इस समय निराश होकर बैठे रहे। देवकी और जादो को अभी तक आशा की झलक दिखाई देती थी, इसलिए वे बैचेन थे। तीन दिन तक ये लोग खोय हुए लाल की तलाश करते रहे। दाने से भेंट नहीं, प्यास से बेचैन होते तो दो-चार घूँट पानी गले के नीचे उतार लेते। आशा की जगह निराशा का सहारा था। दुख और करुणा के सिवाय और कोई वस्तु नहीं। किसी बच्चे के पैरों के निशान देखते तो उनके दिलों में आशा तथा भय की लहरें उठने लगती थीं। लेकिन प्रत्येक पग उन्हें अभीष्ट स्थान से दूर लिये जाता था।

इस घटना को हुए चौदह वर्ष बीत गये। इन चौदह वर्षों में सारी काया पलट गयी। चारों ओर रामराज्य दिखायी देने लगा। इंद्रदेव ने कभी उस तरफ अपनी निर्दयता न दिखायी और न जमीन ने ही। उमड़ी हुई नदियों की तरह अनाज से ढेकियाँ भर चलीं। उजड़े हुए गाँव बस गये। मजदूर किसान बन बैठे और किसान जायदाद की तलाश में नजरें दौड़ाने लगे। वही चैत के दिन थे। खलियानों में अनाज के पहाड़ खड़े थे। भाट और भिखमंगे किसानों की बढ़ती के तराने गा रहे थे। सुनारों के दरवाजे पर सारे दिन और आधी रात तक गाहकों का जमघट बना रहता था। दरजी को सिर उठाने की फुरसत न थी। इधर-उधर दरवाजों पर घोड़े हिनहिना रहे थे। देवी के पुजारियों के अजीर्ण हो रहा था जादोराय के दिन भी फिरे। उसके घर छप्पर की जगह खपरैल हो गया। दरवाजे पर अच्छे बैलों की जोड़ी बँधी हुई है। वह अब अपनी बहली पर सवार होकर बाजार जाया करता है। उसका बदन अब उतना सुडौल नहीं है। पेट पर इस सुदशा का विशेष प्रभाव पड़ा है और बाल सफेद हो चले हैं। देवकी की गिनती भी गाँव की बूढी औरतों में होने लगी है व्यावहारिक बातों में उसकी बड़ी पूछ हुआ करती है। जब वह किसी पड़ोसिन के घर जाती है तो वहाँ की बहुएँ भय के मारे थरथराने लगती हैं। उसके कटु वाक्य, तीव्र आलोचना की सारी गाँव में धाक बाँधी हुई है। महीन कपड़े अब उसे अच्छे नहीं लगते, लेकिन गहनों के बारे में वह इतनी उदासीन नहीं है।



समाज का शिकार

रवीन्द्रनाथ टैगोर की लिखी कहानी

मैं जिस युग का वर्णन कर रहा हूं उसका न आदि है न अंत!

वह एक बादशाह का बेटा था और उसका महलों में लालन-पालन हुआ था, किन्तु उसे किसी के शासन में रहना स्वीकार न था। इसलिए उसने राजमहलों को तिलांजलि देकर जंगलों की राह ली। उस समय देशभर में सात शासक थे। वह सातों शासकों के शासन से बाहर निकल गया और ऐसे स्थान पर पहुंचा जहां किसी का राज्य न था।

आखिर शाहजादे ने देश को क्यों छोड़ा?

इसका कारण स्पष्ट है कि कुएं का पानी अपनी गहराई पर सन्तुष्ट है। नदी का जल तटों की जंजीरों में जकड़ा हुआ है, किन्तु जो पानी पहाड़ की चोटी पर है उसे हमारे सिरों पर मंडराने वाले बादलों में बन्दी नहीं बनाया जा सकता।

शाहजादा भी ऊंचाई पर था और यह कल्पना भी न की जा सकती थी कि वह इतना विलासी जीवन छोड़कर जंगलों, पहाड़ों और मैदानों में दृढ़ता से सामना करेगा। इस पर भी बहादुर शाहजादा भयावने जंगल को देखकर भयभीत न हुआ। उसकी राह में सात समुद्र थे और न जाने कितनी नदियां? किन्तु उसने सबको अपने साहस से पार कर लिया।

मनुष्य शिशु से युवा होता है और युवा से वृध्द होकर मर जाता है, और फिर शिशु बनकर संसार में आता है। वह इस कहानी को अपने माता-पिता से अनेक बार सुनता है कि भयानक समुद्र के किनारे एक किला है। उसमें एक शहजादी बन्दी है, जिसे मुक्त कराने के लिए एक शाहजादा जाता है।

कहानी सुनने के पश्चात् वह चिंतन की मुद्रा में कपोलों पर हाथ रखकर सोचता कि कहीं मैं ही तो वह शाहजादा नहीं हूं।

जिन्नों के द्वीप की दशा सुनकर उसके हृदय में विचार उत्पन्न हुआ कि मुझे एक दिन शहजादी को बन्दीगृह से मुक्ति दिलाने के लिए उस द्वीप को प्रस्थान करना पड़ेगा। संसार वाले मान-सम्मान चाहते हैं, धन-ऐश्वर्य के इच्छुक रहते हैं, प्रसिध्दि के लिए मरते हैं, भोग-विलास की खोज में लगे रहते हैं, किन्तु स्वाभिमानी शाहजादा सुख-चैन का जीवन छोड़कर अभागी शहजादी को जिन्नों के भयानक बन्दीगृह से मुक्ति दिलाने के लिए भयानक द्वीप का पर्यटन करता है।

भयानक तूफानी सागर के सम्मुख शाहजादे ने अपने थके हुए घोड़े को रोका; किन्तु पृथ्वी पर उतरना था कि सहसा दृश्य बदल गया और शाहजादे ने आश्चर्यचकित दृष्टि से देखा कि समाने एक बहुत बड़ा नगर बसा हुआ है। ट्राम चल रही है, मोटरें दौड़ रही हैं, दुकानों के सामने खरीददारों की और दफ्तरों के सामने क्लर्कों की भीड़ है। फैशन के मतवाले चमकीले वस्त्रों से सुसज्जित चहुंओर घूम-फिर रहे हैं। शाहजादे की यह दशा कि पुराने कुर्ते में बटन भी लगे हुए नहीं। वस्त्र मैले, जूता फट गया, हरेक व्यक्ति उसे घृणा की दृष्टि से देखता है किन्तु उसे चिन्ता नहीं। उसके सामने एक ही उद्देश्य है और वह अपनी धुन में मग्न है।

अब वह नहीं जानता कि शहजादी कहां है?

वह एक अभागे पिता की अभागी बेटी है। धर्म के ठेकेदारों ने उसे समाज की मोटी जंजीरों में जकड़कर छोटी अंधेरी कोठरी के द्वीप में बन्दी बना दिया है। चहुंओर पुराने रीति-रिवाज और रूढ़ियों के समुद्र घेरा डाले हुए हैं।

क्योंकि उसका पिता निर्धन था और वह अपने होने वाले दामाद को लड़की के साथ अमूल्य धन-संपत्ति न दे सकता था। इसलिए किसी सज्जन खानदान का कोई शिक्षित युवक उसके साथ विवाह करने पर सहमत न होता था।

लड़की की आयु अधिक हो गई। वह रात-दिन देवताओं की पूजा-अर्चना में लीन रहती थी। उसके पिता का स्वर्गवास हो गया और वह अपने चाचा के पास चली गई।

चाचा के पास नकद रुपया भी था और काफी मकान आदि भी। अब उसे सेवा के लिए मुफ्त की सेविका मिल गई। वह सवेरे से रात के बारह बजे तक घर के काम-काज में लगी रहती।

बिगड़ी दशा का शाहजादा उस लड़की के पड़ोस में रहने लगा। दोनों ने एक-दूसरे को देखा। प्रेम की जंजीरों ने उनके हृदयों से विवाह कर दिया। लड़की जो अब तक पैरों से कुचली हुई कोमल कली की भांति थी उसने प्रथम बार संतोष और शांति की सांस लिया।

किन्तु धर्म के ठेकेदार यह किस प्रकार सहन कर सकते थे कि कोई दुखित स्त्री लोहे की जंजीरों से छुटकारा पाकर सुख का जीवन व्यतीत कर सके।

उसका विवाह क्या हुआ एक प्रलय उपस्थित हो गई। प्रत्येक दिशा में शोर मचा कि %धर्म संकट में है, %धर्म संकट में है।%

चाचा ने मूछों पर ताव देकर कहा- %%चाहे मेरी सम्पूर्ण संपत्ति नष्ट ही क्यों न हो जाये, अपने कुल के रीति-रिवाजों की रक्षा करूंगा।%%

बिरादरी वाले कहने लगे- %%एक समाज की सुरक्षा हेतु लाखों रुपया बलिदान कर देंगे%%, और एक धर्म के पुजारी सेठ ने कहा-%%भाई कलयुग है, कलियुग। यदि हम अचेत रहे तो धर्म विलय हो जायेगा। आप सब महानुभाव रुपये-पैसे की चिन्ता न करें, यदि यह मेरा महान कोष धर्म के काम न आया, तो फिर किस काम आयेगा? तुम तुरन्त इस पापी चांडाल के विरुध्द अभियोग आरम्भ करो।%%

अभियोगी न्यायालय में उपस्थित हुआ। अभियोगी की ओर से बड़े-बड़े वकील अपने गाऊन फड़काते हुए न्यायालय पहुंचे। अभागी लड़की के विवाह के लिए तो कोई एक पैसा भी खर्च करना न चाहता था, किन्तु उसे और उसके पति को जेल भिजवाने के लिए रुपयों की थैलियां खुल गईं।

नौजवान अपराधी ने चकित नेत्रों से देखा।

विधान की किताबों को चाटने वाली दीमकें दिन को रात और रात को दिन कर रही थीं।

धर्म के ठेकेदारों ने देवी-देवताओं की मन्नत मानी। किसी के नाम पर बकरे बलिदान किये गये, किसी के नाम पर सोने का तख्त चढ़ाया गया। अभियोग की क्रिया तीव्र गति से आरम्भ हुई। बिगड़ी हुई दशा वाले शाहजादे की ओर से न कोई रुपया व्यय करने वाला था न कोई पक्ष-समर्थन करने वाला।

न्यायाधीश ने उसे कठिन कारावास का दण्ड दिया।

मन्दिरों में प्रसन्नता के घंटे-घड़ियाल बजाये गये, सम्पूर्ण शक्ति से शंख बजाये गये, देवी और देवताओं के नाम बलि दी गई, पुजारियों और महन्तों की बन आई। सब आदमी खुशी से परस्पर धन्यवाद और साधुवाद देकर कहने लगे-

%%भाइयो! यह समय कलियुग का है परन्तु ईश्वर की कृपा से धर्म अभी जीवित है।%%

शाहजादा अपनी सजा काटकर कारावास से वापिस आ गया किन्तु उसका लम्बा-चौड़ा पर्यटन अभी समाप्त न हुआ था। वह संसार में अकेला था, कोई भी उसका संगी-साथी नहीं। संसार वाले उसे दंडी (सजायाफ्ता) कहकर उसकी छाया से भी बचते हैं।

सत्य है इस संसार में राज-नियम भी ईश्वर है।

फिर ईश्वर के अपराधी से सीधे मुंह बात करना किसे सहन हो सकता है?

लम्बी-चौड़ी मुसाफिरी तो उसकी समाप्त न हुई; किन्तु उसके चलने का अन्त हो गया। उसके जख्मी पांवों में चलने की शक्ति शेष न रही।

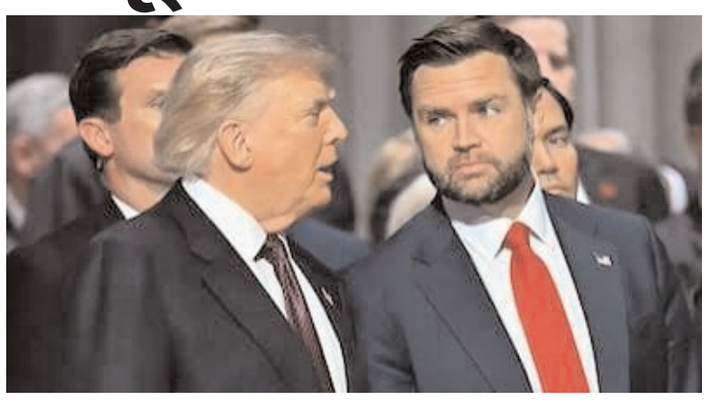
वह थककर गिर पड़ा, रोगी था...बहुत अधिक रोगी। उस असहाय पथिक की सेवा-सुश्रूषा कौन करता?

किन्तु उसकी अवस्था पर एक सुहृदय देवता का हृदय दुखा। उसका नाम %काल% था। उसने शाहजादे की सेवा-सुश्रूषा की। उसने सिर पर स्नेह से हाथ फेरा और उसके साथ शाहजादा उस संसार में पहुंच गया जहां न समाज है और न उसके अन्याय और न अन्यायी।

बच्चा आश्चर्य से अपनी मां की गोद में यह कहानी सुनता है और अपने फूल-से कोमल कपोलों पर हाथ रखकर सोचता है, कहीं वह शाहजादा मैं ही तो नहीं हूं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

ट्रम्प ने जेडी वेंस को ईरान शांति वार्ता से हटाया, घरेलू भ्रष्टाचार जांच का जिम्मा सौंपा



वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को ईरान के साथ चल रही शांति वार्ता से हटाया है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में घोषणा की कि वेंस अब अमेरिका के डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों और शहरों में व्याप्त भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर अपना ध्यान केंद्रित करने वाले है। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिका को अब ईरान के साथ किसी समझौते की जरुरत नहीं है, जो कि इस कदम का औचित्य साबित होता है। ट्रम्प ने इस वर्ष की शुरुआत में ईरान के साथ बातचीत की अहम जिम्मेदारी वेंस को सौंपी थी, जो स्वयं इस युद्ध के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने अप्रैल में पाकिस्तान का दौरा कर ईरानी नेताओं से कई घंटों तक गहन बातचीत की थी, हालांकि तब कोई समझौता नहीं हुआ था। हाल ही में वेंस ने फिर कतर के माध्यम से ईरान के एक प्रमुख नेता मोहसिन रजाई को पत्र भेजकर दोनों देशों के अधिकारियों की शीघ्र बैठक का प्रस्ताव रखा था। इस पत्र में उन्होंने अमेरिकी टीम का नेतृत्व करने की इच्छा जाहिर की थी, लेकिन अब ट्रम्प ने उनकी इन सभी कोशिशों पर विराम लगा दिया है। उपराष्ट्रपति वेंस ने अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को हुए बड़े नुकसान के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार ठहराया था, जो कि ट्रम्प प्रशासन की युद्ध नीति की आलोचना के तौर पर देखा गया था। हालांकि, ट्रम्प ने तब कहा था कि उन्हें वेंस की टिप्पणियों से कोई नाराजगी नहीं है। अब, उन्हें विशेष रूप से डेमोक्रेटिक पार्टी के नियंत्रण वाले शहरों और राज्यों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया गया है। इस संदर्भ में, मिनेसोटा राज्य में सामने आए बड़े धोखाधड़ी मामले का उल्लेख है। इसके अलावा, वेंस के कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिकी देशों के पूर्वनिर्धारित दौरे भी रद्द किए हैं, जिसमें डोमिनिकन रिपब्लिक, कोलंबिया, अर्जेंटीना और चिली जैसे ट्रम्प प्रशासन के करीबी देश शामिल थे। फिलहाल अमेरिका और ईरान के बीच बड़े सैन्य हमले रुके हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बरकरार है। होर्मुज स्ट्रेट, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है, पर नियंत्रण को लेकर अभी भी टकराव जारी है। अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात को बाधित करने के लिए समुद्री नाकेबंदी कर रखी है, जबकि अमेरिकी नौसेना के जहाज अन्य देशों के तेल टैंकरों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए गश्त कर रहे हैं। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज करने के विकल्प भी सुझाए हैं। हालांकि, ट्रम्प ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा था कि उन्हें अब ईरान की परमाणु क्षमता को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं है, जिसे इस युद्ध का एक प्रमुख कारण बताया गया था।



वैंकवूर में सांत क्लॉज की वेशभूषा में सजा एक डाइवर एक्यूरियम टैंक के अंदर से एक बच्चे से बात करते हुए।

व्हाइट हाउस के पास अंधाधुंध फायरिंग में दो की मौत, चार घायल

अमेरिका में गन कल्चर पर फिर उठे सवाल

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी के लोगन सर्कल इलाके में गुरुवार सुबह गोलियों की तड़तड़ाहट से दहशत फैल गई। व्हाइट हाउस से कुछ ही दूरी पर हुई इस भयावह घटना में एक हमलावर सहित दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना ने एक बार फिर अमेरिका में गन कल्चर और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग के अनुसार, यह घटना 15वीं स्ट्रीट पर स्थित वीआईडीए फिटनेस सेंटर के पास हुई। हमलावर ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी थी, जिससे पांच लोगों को गोली लगी और उनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई। फायरिंग के बाद जब पुलिस और सुरक्षा बलों ने उसे चारों तरफ से घेर लिया, तो आरोपी ने भागने का कोई रास्ता न पाकर पास ही के एक अपार्टमेंट बिल्डिंग में खुद को बंद कर लिया और फिर खुद पर ही गोली चला ली, जिससे उसकी भी मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि हमलावर का कथित तौर पर उस इमारत के होम ओनर्स एसोसिएशन के साथ किसी बात को लेकर पुराना विवाद चल रहा था, और इसी रंजिश के चलते उसने इस खूनी खेल को अंजाम दिया। जिम के अंदर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने खौफनाक मंजर बयां करते हुए बताया कि घटना शुरू होने के कुछ ही सेकंड के भीतर एक आदमी फर्श पर गिर पड़ा और वहां खून का तालाब बन गया। उन्होंने जिम के अंदर कम से कम दो गोलियों की आवाज सुनी और उसके बाद बाहर जाने पर पांच-छह गोलियां और दागी गईं। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि उन्होंने शुरुआत में गोलियों की आवाज को निर्माण कार्य का शोर समझा, लेकिन जब भारी तादाद में पुलिस की गाड़ियां सायरन बजाते हुए वहां पहुंचने लगीं, तब उन्हें अहसास हुआ कि कोई बहुत बड़ी अनहोनी हो गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत भारी मात्रा में पुलिस और संघीय एजेंसियां मौके पर दौड़ पड़ीं। पूरे इलाके को पुलिस ने छावनी में तब्दील कर दिया और चारों तरफ से सील कर दिया गया। सुरक्षा बलों ने तुरंत आस-पास की सड़कों को पूरी तरह खाली करवा दिया और लोगों को उस रास्ते से दूर रहने की सख्त हिदायत दी गई।

यूएई में भीषण सड़क हादसा: भारतीय सहित 14 लोगों की मौत

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक भारतीय नागरिक सहित 14 लोगों की जान चली गई। यह दर्दनाक हादसा फुजैराह के एंट्री गेट पर हुआ, जहां तेज गति से आ रहे एक ट्रक पर से ड्राइवर का संतुलन बिगड़ गया। इसके बाद अनियंत्रित ट्रक पहले एक गाड़ी से टकराया और फिर पलट गया। उसकी अत्यधिक गति के कारण, वह पास से धीमी गति से गुजर रही अन्य कई गाड़ियों से भी जा टकराया, जिससे भीषण आग लग गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद गाड़ियों में तुरंत आग पकड़ ली, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यूएई के गृह मंत्रालय ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बचाव टीमों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने की कोशिश की। कड़ी मशक्कत के बाद बढ़ती आग को नियंत्रित किया जा सका। मंत्रालय के मुताबिक, मृतकों में भारत के अलावा संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, जॉर्डन, पाकिस्तान और मिस्र जैसे विभिन्न देशों के नागरिक शामिल हैं। फिलहाल, शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट की प्रक्रिया जारी है। हादसे में एक भारतीय नागरिक की मौत की पुष्टि यूएई स्थित भारतीय दूतावास ने भी की है।

पाकिस्तान में यात्री वाहन नदी में गिरा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में एक यात्री वाहन के नदी में गिरने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और दो घायल हुए हैं। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह हादसा गुरुवार को उस समय हुआ, जब वाहन गिलगित से गिजर जिले की यासीन घाटी जा रहा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि मोरकाह पुल के पास चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा, जिसके कारण वाहन यासीन नदी में जा गिरा। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया बचाव दल ने दो महिलाओं समेत 10 यात्रियों के शव बरामद किए और एक बच्चे समेत तीन घायल यात्रियों को बचाया।

जासूसी की बात स्वीकारने पर तांग को कोर्ट ने सुनाई तीन साल की सजा

बीजिंग। न्यूयॉर्क में चीन के असंतुष्ट समुदाय के एक सदस्य को अपने साथी कार्यकर्ताओं की पांच साल तक चीन सरकार के लिए जासूसी करने की बात स्वीकार करने के बावजूद गुरुवार को मैनहट्टन की संघीय कोर्ट ने जेल की सजा नहीं सुनाई। युआनजुन तांग (69) तीन दशक से ज्यादा समय से चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मुखर आलोचक रहे हैं। न्यायाधीश जॉन जी कोएल्टल ने उन्हें तीन साल की परिवीक्षा की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने कहा कि कुछ लोगों के इस दावे की पुष्टि नहीं हो सकी कि तांग की गतिविधियों के कारण उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से निशाना बनाया गया था। अमेरिकी सहायक अटॉर्नी जेन चोंग ने न्यायाधीश से तांग को पांच साल की जेल की सजा देने का अनुरोध किया था। तांग ने सितंबर 2025 में इस आरोप को स्वीकार कर लिया था कि उन्होंने अमेरिकी अटॉर्नी जनरल के कार्यालय में चीन सरकार के एजेंट के रूप में अपना पंजीकरण नहीं कराया था। वहीं, बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल लोकतंत्र समर्थक, लेखक और कार्यकर्ता हैं। वह अपने बीमार माता-पिता और भाई से मिलने के लिए चीन लौटने की बेहद इच्छा रखते थे और इसी सिलसिले में उनकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से हुई, जिसने उन्हें चीन जाने में मदद करने का भरोसा दिलाया था। रिपोर्ट के मुताबिक वकील ने कहा कि तांग को चीन पहुंचने के बाद ही पता चला कि वह व्यक्ति जासूस था। वहां पहुंचने पर उन्हें यह भी पता चला कि उनकी मां और भाई की पहले ही मौत हो चुकी थी। तांग ने कहा कि उन्होंने चीन जाकर अपने माता-पिता से मिलने की इच्छा में अपने सिद्धांतों से समझौता किया। उन्होंने कहा कि मुझे अपने किए पर गहरा पछतावा है। मेरे कार्यों से कुछ लोगों को नुकसान पहुंचा है। तांग को अक्टूबर 2024 में गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी से पहले चीन की ओर से विदेशों में असंतुष्टों को परेशान करने और उनकी आवाज दबाने की कोशिशों से जुड़े कई चर्चित मामलों की जांच हुई थी।

अमेरिकी दूत पुतिन से मुलाकात के बाद जेलेंस्की से चर्चा करने आयरलैंड रवाना

वाशिंगटन। अमेरिकी दूतों ने गुरुवार को क्रेमलिन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बातचीत करने आयरलैंड रवाना हो गए। 'क्रेमलिन' रूस में सत्ता का केंद्र है। अमेरिका दोनों देशों के बीच के युद्ध को खत्म के लिए अपने शांति प्रयासों को नई गति देने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर ने इस सप्ताह रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों के बीच बातचीत कराई। संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में हुई इस बैठक में नौ महीने बाद पहली बार यूक्रेन और रूस के प्रतिनिधियों के बीच सीधी बातचीत हुई। इससे पहले, युद्ध के समाधान की कोशिशें थम सी गई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को संपन्न हुई इस बातचीत में बड़ी संख्या में युद्धबंदियों की अदला-बदली पर सहमति बन गई है। हालांकि अदला-बदली किए जाने वाले कैदियों की सटीक संख्या पर अभी सहमति नहीं बन पाई है। कुशनर और विटकॉफ ने पुतिन के साथ करीब दो घंटे तक बैठक की। इसके बाद वे जेलेंस्की के साथ बातचीत के लिए डबलिन रवाना हो गए। इस संघर्ष के पांच साल पूरे होने वाले हैं और इस युद्ध में दोनों तरफ से काफी नुकसान हुआ है और कई जानें भी जा चुकी हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने जिस सैनिक को फटकारा उसी को दिया सम्मान



वॉशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एक असामान्य घटनाक्रम में उस अमेरिकी सैनिक को सैन्य सम्मान से नवाजा है, जिसने हाल ही में वेटरन्स डे के अवसर पर एक युद्ध स्मारक पर उन्हें और उनकी टीम को अनुशासन और मर्यादा का पाठ पढ़ाया था। हेगसेथ ने स्वयं उस सैनिक को मेडल प्रदान कर उसकी कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की है, जिसने उन्हें स्मारक परिसर में शांति और सम्मान बनाए रखने की याद दिलाई थी। पेंटागन की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, रक्षा मंत्री हेगसेथ ने गुरुवार को उस सैन्य यूनिट के सदस्यों को पेंटागन बुलाया जो वॉर मेमोरियल की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालती है। इस दौरान, उन्होंने स्पेशलिस्ट थॉमस इग्लेसियस को ज्वाइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल प्रदान किया। यह सम्मान वेटरन्स डे पर टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर में अपनी ड्यूटी निभाने के लिए दिया गया है। हेगसेथ ने समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिनमें वह इग्लेसियस को मेडल पहनाते नजर आए। उन्होंने तस्वीरों के साथ लिखा, हमें सैनिकों से प्यार है। हमें अनुशासन और मानकों से प्यार है। शाबाश, स्पेशलिस्ट। थॉमस इग्लेसियस को दिया गया ज्वाइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल अमेरिकी सेना के अपेक्षाकृत उच्च सैन्य सम्मानों में गिना जाता है। यह सम्मान आमतौर पर जूनियर एनलिस्टेड सैनिकों को नहीं दिया जाता, जो इस मामले को और भी खास बनाता है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब पीट हेगसेथ को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में महाभियोग की कोशिश का सामना करना पड़ा था, हालांकि वह इसी सप्ताह की शुरुआत में इस प्रयास से बच गए। उन्होंने इस महाभियोग की कोशिश को तमाशा करार दिया था और कहा था कि उन्होंने ऐसा कोई गंभीर अपराध नहीं किया है जिसके आधार पर उन्हें पद से हटाया जा सके। हेगसेथ को ईरान युद्ध, लैटिन अमेरिकी जलक्षेत्र में सैन्य हमलों और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को पद से हटाने के फैसलों को लेकर भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। गौरतलब है कि अमेरिका का टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर देश के सबसे सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक है, जहां उन अमेरिकी सैनिकों के पार्थिव अवशेष रखे गए हैं जिनकी पहचान नहीं हो सकी थी। इनमें प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में जान गंवाने वाले सैनिक शामिल हैं। 1948 से लगातार इस स्मारक की सुरक्षा अमेरिकी सेना की थर्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट, जिसे द ओल्ड गार्ड के नाम से जाना जाता है, के जवान करते आ रहे हैं। यह पूरा मामला वेटरन्स डे के कार्यक्रम के बाद सामने आया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की मौजूदगी में आयोजित समारोह के बाद, हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर और कुछ वरिष्ठ सहयोगियों के साथ स्मारक पहुंचे थे। वहां समूह मकबरे के सामने खाली सीढ़ियों पर तस्वीरें खिंचवा रहा था और आपस में बातचीत के दौरान वे जोर-जोर से हंसते-ठहाके लगाते सुनाई दिए। इसी पर वहां ड्यूटी पर तैनात सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने उन्हें टोक दिया।

डेलवेयर नदी पर बने पुल से टकराया मालवाहक जहाज, यातायात बाधित, लगा जाम

पेंसिल्वेनिया। डेलवेयर नदी पर बने एक पुल से एक मालवाहक जहाज के टकराने से न्यू जर्सी के पाल्मायरा और फिलाडेल्फिया के बीच यातायात बाधित हो गया है। पेंसिल्वेनिया के एक जन प्रतिनिधि ने यह जानकारी दी। एड नीलसन ने कहा कि इस टक्कर के कारण 1,115 मीटर लंबा टैकोनी-पाल्मायरा पुल बंद नहीं हो पा रहा है, जिससे फिलाडेल्फिया की ओर भारी जाम लग गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नीलसन ने बताया कि इस घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। यह एक ड्रॉब्रिज यानी खुलने वाला पुल है। यह जहाजों के लिए रास्ता बनाता है। जब नदी से कोई बड़ा जहाज गुजरता है, तो पुल के बीच के हिस्से को ऊपर उठा दिया जाता है। इसे तकनीकी भाषा में पुल का 'खुला' होना कहते हैं। अमेरिकी तटरक्षक बल ने कहा कि मालवाहक जहाज वर्तमान में पेंसिल्वेनिया के ब्रिस्टल में किंडर मॉर्गन के एक अड्डे पर खड़ा है, जहां एक निरीक्षण दल मौके पर मौजूद है। रिपोर्ट के मुताबिक तटरक्षक बल ने अभी तक जहाज के मालिक या संचालक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया के घने जंगल में 6 दिन बाद जिंदा मिला 17 वर्षीय विलियम

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न से लगभग 180 किलोमीटर दूर, घने और खतरनाक जंगलों में पिछले छह दिनों से लापता 17 वर्षीय विलियम नाम का लड़का आखिरकार जिंदा मिल गया है। यह घटना किसी चमत्कार से कम नहीं है, क्योंकि इतने लंबे समय तक बिना खाए-पिए, कड़ाके की ठंड और खुले आसमान के नीचे जंगली पहाड़ियों के बीच किसी का जीवित रहना बेहद दुर्लभ माना जाता है। विलियम को एक सुनसान नदी किनारे पत्थरों के बीच पड़ा हुआ, ठंड और भूख से कांपते हुए पाया गया, जिससे रेस्क्यू टीम भी हैरान रह गई। विलियम पिछले शुक्रवार, 6 नवंबर को अपने एक दोस्त के साथ कैंपिंग ट्रिप पर निकला था, लेकिन इसी दौरान वह अचानक इन घने जंगलों के बीच बिछड़ गया और लापता हो गया। जब काफी तलाशने के बाद भी उसका कुछ अता-पता नहीं चला, तो हड़कंप मच गया और फौरन पुलिस को सूचना दी गई। विक्टोरिया के इन इलाकों में रात के वक्त तापमान बहुत ज्यादा गिर जाता है, इसलिए पुलिस और अधिकारियों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही थी। पुलिस ने लड़के की तलाश के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी, जिसमें पुलिस डॉग्स, पानी और नदियों में तलाश के लिए गोताखोरों और आसमान से नजर रखने के लिए हेलीकॉप्टर्स की मदद ली गई। लगातार छह दिनों तक चले इस भारी सर्च ऑपरेशन के बाद आखिरकार 12 नवंबर की सुबह यह चमत्कार हो गया। गुरुवार की सुबह जब पुलिस एयर विंग के हेलीकॉप्टर ने घने जंगलों और चट्टानों के बीच नीचे नजर डाली, तो विलियम एक नदी किनारे पत्थरों के ऊपर कंबल ओढ़े लेटा हुआ दिखाई दिया। लगातार छह दिनों की भूख, प्यास और ठंड ने उसकी हालत खराब कर दी थी; उसका शरीर पूरी तरह से सुन्न पड़ चुका था और वह हिल-डुल भी नहीं पा रहा था। अधिकारियों और रेस्क्यू टीम ने बताया कि विलियम ने समझदारी दिखाते हुए इधर-उधर भटककर अपनी ऊर्जा गंवाने के बजाय एक ही जगह पर टिका रहा और मदद का इंतजार करता रहा।

एनवीडिया सीईओ हुआंग ने दिया इस्तीफा, अब क्रेस पर जिम्मेदारी

बीजिंग। दुनिया की टेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंडस्ट्री में एक बड़े उलटफेर में, एनवीडिया के सह-संस्थापक और लंबे समय से सीईओ रहे जेसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह कंपनी की वर्तमान मुख्य वित्तीय अधिकारी और कार्यकारी उपाध्यक्ष कोलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया है। बोर्ड ने एक स्थायी सीईओ की तलाश शुरू कर दी है। इस्तीफे की खबर एक चीनी जासूस के साथ कथित अफेयर के स्कैंडल में फंसने के बाद आई है, जिससे वैश्विक शेयर बाजारों में हड़कंप मच गया और कंपनी की मार्केट वैल्यू से लगभग 800 अरब डॉलर का भारी नुकसान हो गया। हुआंग ने सीईओ के साथ-साथ प्रेसिडेंट और कंपनी के बोर्ड मेंबर के पद से भी तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। इस चौंकाने वाली खबर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने जेसन हुआंग के शानदार काम की तारीफ करते हुए तुरंत एनवीडिया के नए सीईओ के लिए एक लीजेंड का नाम सुझा दिया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, अब जब शानदार काम करने वाले एनवीडिया के सीईओ जेसन हुआंग ने इस्तीफा दे दिया है, तो उनकी जगह लेने के लिए सिर्फ एक ही शख्स सही है, एप्पल के टिम कुक। एक लीजेंड की जगह दूसरा लीजेंड लेगा! हालांकि, यह केवल एक सुझाव है, और कंपनी की तरफ से अभी तक किसी स्थायी सीईओ के नाम का ऐलान नहीं किया गया है। टिम कुक 2011 से एप्पल की कमान संभाल रहे हैं और हाल ही में वह एप्पल के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बने हैं। जब तक कंपनी किसी स्थायी सीईओ की तलाश पूरी नहीं कर लेती, तब तक के लिए एनवीडिया के बोर्ड ने कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कोलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ नियुक्त किया है। इसके साथ ही, बोर्ड ने चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर कंपनी सिनोप्सिस के पूर्व सीईओ हार्वे जोन्स को नया चेयरमैन बनाया है।

ब्रुकलिन में इमारत ढही, 8 लोगों की मौत, लापरवाही की आशंका

न्यूयॉर्क। ब्रुकलिन में एक तीन मंजिला इमारत ढहने से भयानक हादसा हो गया, जिसमें अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है और 18 अन्य घायल हुए हैं। मृतकों में छह वयस्क और दो बच्चे शामिल हैं, जबकि घायलों में चार दमकलकर्मी भी हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, इसके ठीक बगल में एक नई बिल्डिंग बनाने के लिए खुदाई का काम चल रहा था। विशेषज्ञों का मानना है कि निर्माण स्थल पर की जा रही खुदाई के कारण पुरानी इमारत की नींव कमजोर पड़ गई होगी, जिससे यह भीषण हादसा हुआ। यह दुखद घटना ब्रुकलिन के फ्लैटबुश इलाके में 1321 फ्लैटबुश एवेन्यू पर स्थित 1930 के दशक में बनी एक इमारत में हुई, जिसमें अपार्टमेंट और एक दुकान मौजूद थी। हादसे के वक्त धमाके जैसी तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकले तो हर तरफ धूल और मलबे का ढेर देखकर दहशत में आ गए। मौके पर मौजूद कुछ मजदूर, जो खुद इस हादसे में बाल-बाल बचे थे, उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने में मदद की। मृतकों में दो मजदूर भी शामिल थे। हादसे के तुरंत बाद, 250 से अधिक दमकलकर्मियों ने बचाव अभियान शुरू कर दिया। उन्होंने रात भर बारिश और गिरते तापमान के बावजूद मलबे में फंसे लोगों की तलाश जारी रखी। दमकल विभाग के प्रमुख ने बचाव दल के इस काम को बेहद साहसी बताया। इस भीषण त्रासदी के बीच एक राहत की खबर यह भी सामने आई कि बचाव दल ने मलबे से एक छह महीने की गर्भवती महिला को सुरक्षित बाहर निकाला। इक्वाडोर के महावाणिज्य दूत ने पुष्टि की है कि मृतकों में इक्वाडोर के दो नागरिक, जोस लुइस कागुआना कोस्किलो और गैब्रियल एरियोल्फो सिगुएंसिया भी शामिल थे। शहर का भवन विभाग मामले की गहन जांच कर रहा है, जिसमें खासकर यह देखा जा रहा है कि बगल में चल रही खुदाई का इमारत पर क्या असर पड़ा था।

रूस-अफगानिस्तान के बीच 920 करोड़ का हुआ व्यापारिक समझोता

काबुल। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर अपनी व्यापारिक निर्भरता कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिसने क्षेत्रीय भू-राजनीति में हलचल मचा दी है। तालिबान सरकार ने हाल ही में रूस के साथ 10.3 करोड़ डॉलर (लगभग 920 करोड़ रुपये) के 15 आर्थिक सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कदम काबुल के लिए एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार के रूप में पाकिस्तान की स्थिति को चुनौती दे सकता है। इन समझौतों के तहत, अफगानिस्तान रूस से दवाइयां, गेहूं, आटा और खाना पकाने का तेल खरीदेगा, जबकि रूस अफगानिस्तान से ताजे फल, विशेषकर अनार, का आयात करेगा। इसके अतिरिक्त, दोनों देशों के बीच निवेश, रेलवे, सड़क और बुनियादी ढांचे के विकास पर भी व्यापक बातचीत हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस अफगानिस्तान में खनन, फैक्ट्री निर्माण, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और विशेष आर्थिक क्षेत्रों में भी निवेश कर सकता है। इन महत्वपूर्ण समझौतों पर अफगानिस्तान के आर्थिक मामलों के उप प्रधानमंत्री अब्दुल गनी बरादर और रूस के उप प्रधानमंत्री एलेक्सी ओवरचुक की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब अफगानिस्तान व्यापार के नए अवसर तलाश रहा है और अपने मौजूदा व्यापारिक रास्तों से हटकर आर्थिक साझेदारियों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। रूसी उप प्रधानमंत्री एलेक्सी ओवरचुक एक बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ काबुल पहुंचे थे, जिसमें रूस की दर्जनों कंपनियों के 70 से अधिक कारोबारी प्रतिनिधि शामिल थे। इनमें से कई कंपनियां पहले से ही अफगानिस्तान में कार्यरत हैं, जबकि कुछ अन्य वहां के बाजार में प्रवेश करने की इच्छुक हैं। ओवरचुक ने अफगानिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध विकसित करने की रूस की स्पष्ट मंशा व्यक्त की।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शनिवार 14 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

आईपीएल 2027 के लिए केकेआर कर सकती है सबसे अधिक बदलाव : पुजारा



नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने आगामी मिनी-नीलामी को लेकर अपना आंकलन साझा किया है। पुजारा का मानना है कि इस सत्र के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) अपनी टीम से सबसे ज्यादा खिलाड़ियों को बाहर करेगी। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपने पूरे दल को बरकरार रख सकती है। साथही कहा कि कैमरन ग्रीन और निकोलस पूरन जैसे महंगे खिलाड़ियों को रखने पर भी टीमें विचार करेंगी। पुजारा ने खिलाड़ियों को बनाए रखने की टीमों की रणनीति, कप्तानी में बदलाव और संभावित रिलीज पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने विशेष रूप से केकेआर पर जोर दिया, जहां टीम को बड़े बदलावों की आवश्यकता हो सकती है। साथ ही कहा कि केकेआर में कप्तानी को लेकर अनिश्चितता भी खिलाड़ियों के रिटेंशन फैसलों को प्रभावित कर सकती है, जिससे टीम को अपनी मूल रणनीति पर एक बार फिर विचार करना पड़ सकता है। कैमरन ग्रीन को केकेार ने आईपीएल 2026 की नीलामी में 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था पर अब उन्हें रिटेन किये जाने की संभावना नहीं है। पुजारा का मानना है कि केकेआर इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बावजूद ग्रीन को रिलीज कर सकती है, हालांकि फ्रेंचाइजी नीलामी में उन्हें कम दाम पर फिर से खरीदने की कोशिश कर सकती है। यह कदम टीम को अपने पर्स में अतिरिक्त राशि जोड़ने का अवसर देगा। वहीं इसी तरह, लखनऊ सुपर जायंट्स के वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरन, जिन्हें 21 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया था को भी रिलील कर सकती है। इसका कारण है कि पूरन का प्रदर्शन पिछले सत्र में उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। पुजारा के अनुसार टीम उन्हें रिलीज करके नीलामी के लिए अपने पर्स को बढ़ा सकती है। हालांकि, उन्होंने यह संभावना भी जताई कि लखनऊ पूरन को बनाए रखते हुए आयुष बदोनी जैसे किसी अन्य खिलाड़ी को बाहर कर सकती है, ताकि टीम के संतुलन को बनाए रखा जा सके।वहीं अन्य टीमों की बात करें तो चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) मैट हेनरी और मैथ्यू शॉर्ट में से किसी एक को ही रिलीज कर सकती है, जबकि गुजरात टाइटंस राहुल तेवतिया और शाहरुख खान में से किसी एक को बाहर कर सकती है। पंजाब किंग्स जेवियर बार्टलेट या लॉकी फर्ग्यूसन में से किसी एक को बाहर कर सकती है। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद जयदेव उनादकट और हर्षल पटेल को हटा सकती है। इसके विपरीत, पुजारा को मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम में बड़े बदलाव की कोई आवश्यकता नहीं दिखती। उनका मानना है कि उसके पास एक संतुलित और मजबूत टीम है, जिसने हालिया सीज़न में शानदार प्रदर्शन किया है, और उसे नीलामी में बहुत अधिक नए खिलाड़ियों की तलाश करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे उनका दल बरकरार रहने की संभावना है।

कमिंस ने सैंडपेपर-गेट मामले में सफाई देकर सही किया : लैंगर

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कहा है कि सैंडपेपर-गेट मामले को लेकर कप्तान पीट कमिंस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सही काम किया है। इससे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की छवि बेहतर होगी। कोच के अनुसार जिस प्रकार से बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने साल 2018 में केप टाउन में हुए बॉल-टैम्परिंग मामले को लेकर आरोप लगाये थे। उससे संशय का माहौल बन गया था उसमें टीम का पक्ष रखे जाने की जरुरत भी। लैंगर ने कहा कि ऐसे में मौजूदा टेस्ट कप्तान का अपना पक्ष रखना सही था। ख्वाजा की किताब आने के आने के बाद से ही गेंद से छेड़छाड़ मामले पर फिर से सवाल उठने लगे हैं, जिसके चलते शुक्रवार को कमिंस ने एक लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कमिंस ने इस बात से इनकार किया कि उन्हें गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पहले से कोई जानकारी थी या वह इसमें शामिल थे। उन्होंने ख्वाजा के इस दावे को भी पूरी तरह से गलत करार दिया कि केप टाउन में क्या हो रहा था, इसके बारे में सभी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को पता था। लैंगर ने कहा कि कमिंस ने बिल्कुल सही कदम उठाया है। लैंगर ने कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने वही किया जो उन्हें करना चाहिए था। वह मजबूत लीडर हैं। वह आगे आकर जिम्मेदारी लेते हैं। जाहिर है, यह फिर से एक संकट की स्थिति बन गई है। 8 साल पहले भी एक बड़ा संकट आया था और जिस तरह से इस हफ्ते यह मामला फिर से खुला है, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट एक बार फिर मुश्किल में है। ऐसे में कप्तान ने आगे आगर जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले मिचेल मार्श ने भी इस मामले में सफाई दी थी। लैंगर ने कहा कि यह विवाद सिर्फ इसमें शामिल खिलाड़ियों को ही नहीं, बल्कि पूरे क्रिकेट समुदाय को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में बहुत से लोग आहत हो रहे हैं, इसमें आम जनता भी शामिल है। जब मैं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की बात करता हूं, तो इसमें जनता, फैंस, खिलाड़ी और इससे जुड़े सभी लोग शामिल हैं, चाहे वे पूर्व खिलाड़ी हों, मौजूदा खिलाड़ी हों या भविष्य के खिलाड़ी।

ऑस्ट्रेलिया के बियर्डमैन ने डेब्यू मैच में ही बनाया रिकार्ड

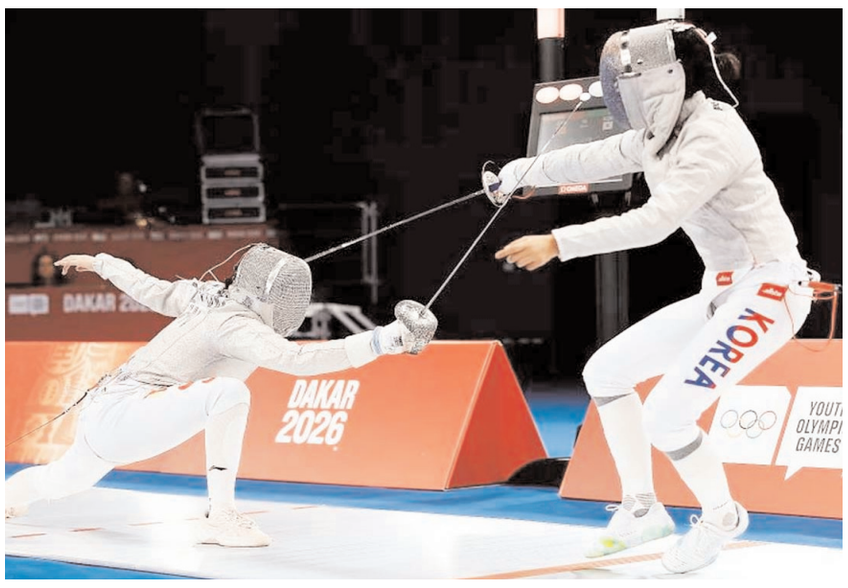
पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के 21 साल के युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ पर्थ में अपने डेब्यू एकदिवसीय मैच में ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पर महली ने इस मैच में केवल 28 गेंदों में ही अपने 5 विकेट पूरे कर लिये। महली ने इस मैच में कुल 6 विकेट लेकर इंग्लैंड को धवस्त कर दिया। इस मैच के साथ ही महली एकदिवसीय डेब्यू पर 5 विकेट हॉल लेने वाले दुनिया के 18वें और ऑस्ट्रेलिया के दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए यह कारनामा साल 1988 में टोनी डोडेमाइड ने श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में किया था। इसके अलावा श्रीलंका के उवैस करनैन ने भी साल 1984 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ऐसा किया था। महली ने अपने इस प्रदर्शन से यह संकेत दे दिया है कि वह आने वाले समय में ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए एक स्टार गेंदबाज के तौर पर उभरेंगे। महली ने केवल निचले क्रम के बल्लेबाजों को ही अपना शिकार नहीं बनाया, बल्कि जो रूट और हैरी ब्रूक जैसे इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाजों को भी पेवेलियन भेजा। उन्होंने इन दोनों के अलावा सैम करन, लियाम डेवसन और जॉर्डन क्रॉक जैसे बल्लेबाजों को भी आउट किया। उनके प्रदर्शन का क्रम भी काफी प्रभावशाली रहा। उन्होंने अपने एकदिवीसय करियर की शुरुआत एक मेडन ओवर से की थी। इसके बाद दूसरे ओवर में उन्होंने हैरी का बड़ा विकेट लिया, जिसके बाद तीसरे ओवर में उन्होंने जो रूट जैसे अनुभवी बल्लेबाज को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद उन्हें चौथे ओवर में जॉर्डन क्रॉक और सैम कुर्रन के रूप में दो और विकेट लिए। पांचवें ओवर में लियाम डेवसन का विकेट लेकर उन्होंने अपना ऐतिहासिक 5 विकेट हॉल पूरा किया।

भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट में पहली बार शुरुआती तीन बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए

माउंट माउंगानुई । यहां के बे ओवल मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे चौथे एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम के शुरुआती तीन विकेट महज एक ओवर में, बिना खाता खोले ही पेवेलियन लौटे। यह भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ है, जब टीम के शीर्ष तीन बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाये। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को शून्य पर आउट कर दिया। रोहित शर्मा ने हेनरी की एक गेंद को सीधे फिन एलन के हाथों में मार दिया, जबकि विराट कोहली उनकी शानदार इनस्विंगर पर क्लीन बोल्ड हो गए। ओवर की आखिरी गेंद पर हेनरी ने कप्तान श्रेयस को एलबीडब्ल्यू कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। भारतीय एकदिवसय क्रिकेट के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब टीम इंडिया ने बिना कोई रन बनाए अपने शुरुआती तीन विकेट गंवाए हैं। यह घटना एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में कुल मिलाकर केवल पांचवीं बार घटी है, जब किसी टीम के पहले तीन बल्लेबाज बिना खाता खोले आउट हुए हों। इस निराशाजनक प्रदर्शन ने भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को स्तब्ध कर दिया है। वहीं इस मैच में रोहित और विराट का एक साथ शून्य पर आउट होना भी एक दुर्लभ संयोग है, जो साल 2010 के बाद पहली बार हुआ है। इससे पहले, 2010 में श्रीलंका के खिलाफ हुए एक एकदिवसीय मैच में ये दोनों दिग्गज बल्लेबाज बिना खाता खोले आउट हुए थे। वहीं रोहित के सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ भी मात्र 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इस विकेट के साथ ही, भारतीय टीम ने 10 रनों के भीतर अपने शुरुआती चार विकेट गंवा दिए, जो एकदिवसीय क्रिकेट में भारत के लिए दूसरा ऐसा मौका है। इससे पहले, साल 1983 में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलते हुए भारतीय टीम ने अपने शुरुआती चार विकेट 10 रनों के अंदर खोए थे।

हेरी केन के गोल से इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी

लंदन । स्टार खिलाड़ी हेरी केन के गोल से इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 2-1 से हराकर यूईएफए नेशंस लीग फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल प्रवेश किया है। इस रोमांचक मुकाबले में केन ने दो दो बड़े रिकार्ड अपने नाम किये। इस खिलाड़ी ने अपने 126वें मैच में इंग्लैंड के लिए सबसे अधिक मुकाबले खेलने का रिकॉर्ड बनाने के साथ ही देश के लिए अपना 92वां गोल भी किया। इस मुकाबले में मॉर्गन रोजर्स ने पहले हाफ में ही एक गोल कर इंग्लैंड को 1-0 की बढ़त दिला दी। वहीं दूसरे हाफ के समाप्त होने से ठीक पहले पेटार सुसिक ने एक गोल कर क्रोएशिया को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके ठीक पांच मिनट बाद ही केन ने 64वें मिनट में पेनल्टी पर एक गोल दागकर इंग्लैंड को 2-1 की बढ़त दिला दी, जो अंत तक बनी रही। क्रोएशिया ने बाद में बराबरी की पुरजोर कोशिशें कीं पर असफल रही। इसा मैच से पहले, हैरी केन को सम्मानित किया गया। उन्होंने स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को अपनी हाल ही में जीती बैलन डीओर ट्रॉफी दिखाई, जिसके बाद पूरे स्टेडियम ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। इस अवसर पर, पूर्व रिकॉर्डधारक पीटर शिल्टन और प्रिंस ऑफ वेल्स ने केन को एक यादगार शर्ट भेंट की। इसके अतिरिक्त, क्रोएशियाई फुटबॉल महासंघ की ओर से भी उनके साथी खिलाड़ी और पूर्व बैलन डीओर विजेता लुका मोड्रिक ने भी उन्हें एक विशेष उपहार प्रदान किया। वहीं दूसरी ओर, इज़मिर में खेले गये एक अन्य मुकाबले में बेल्जियम ने तुर्की के खिलाफ 2-1 से शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। सर्गेन यालिचन के कोच के रूप में अपने पहले मैच में मेजबान तुर्की ने अच्छी शुरुआत की और अर्दा गुलेर ने 20वें मिनट में एक गोल करके बढ़त बनाई। हालांकि, बेल्जियम ने जल्द ही वापसी की। पिछले मैच में दो गोल करने वाले केविन डी ब्रुने ने जेरेमी डोकू के शानदार क्रॉस पर गोल दागा। इसके बाद, चार्ल्स डी केटेलेरे ने मैक्सिम डी कुइपर के कट-बैक को गोल में बदलकर बेल्जियम की जीत पक्की कर दी। बेल्जियम अब अपना आखिरी मैच इटली के खिलाफ खेलेगा।



सेनेगल में महिलाओं की सेबरी फेंनसिंग की इंडिवयूजवल गोल्ड मेडल बाउट में एक दूसरे पर प्रहार करती हुई चीन की पेन क्यूमाओ और दक्षिण कोरिया की जियोन याजू।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

आरबीआई दिसंबर में बढ़ा सकता है 0.25 फीसदी रेपो रेट : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) दिसंबर की बैठक में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत (25 आधार अंक) की वृद्धि कर सकती है। हालांकि, 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि महंगाई, रुपये और वैश्विक दबावों में कमी के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो आरबीआई की 2-6 प्रतिशत की निर्धारित सीमा से ऊपर है, लेकिन अगले महीने के बाद इसमें गिरावट आने का अनुमान है। भारत के लिए कुछ सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की धारणा में सुधार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश बढ़ा है, जो नवंबर से अब तक 7.65 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसके अलावा, अमेरिका-ईरान संघर्ष में तनाव कम होने की संभावनाओं से कच्चे तेल की कीमतों का दृष्टिकोण बेहतर हुआ है, और अमेरिकी चुनावों के बाद ये 11 प्रतिशत गिरकर लगभग 87 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रह सकती हैं। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में भी नरमी आने की उम्मीद है, जबकि भारतीय 10-वर्षीय यील्ड में गिरावट का स्पष्ट रुझान दिख रहा है। एसबीआई रिसर्च का कहना है कि लगातार कई बार ब्याज दरें बढ़ाने की पहले की उम्मीदें अब खारिज हो रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टर्मिनल रेपो रेट 6 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो सकता है, जिसमें 5.75 प्रतिशत तक नीचे आने की भी 50:50 संभावना है। दिसंबर में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी के बाद, केंद्रीय बजट से पहले फरवरी में दरों में और वृद्धि को उचित नहीं माना जा रहा है, जिससे भविष्य की नीति पूरी तरह से आंकड़ों पर आधारित होगी।

ऑनलाइन पेमेंट पर मंडराया साइबर फॉड का खतरा, बैंक हुए सख्त

नई दिल्ली । देश में डिजिटल भुगतान का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, जहां छोटी से छोटी खरीद से लेकर बड़े बिलों तक का भुगतान अब ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। हालांकि, इस सुविधा के साथ साइबर धोखाधड़ी का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी चुनौती से निपटने के लिए भारतीय बैंक अब सक्रिय हो गए हैं। बैंकों ने डिजिटल पेमेंट और फिनटेक कंपनियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ-साथ मर्चेंट वेरिफिकेशन और लेनदेन निगरानी को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं ताकि ग्राहकों के डिजिटल लेनदेन को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके। बैंकों ने अपनी पार्टनर फिनटेक कंपनियों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर नए व्यापारियों (मर्चेंट) को जोड़ने से पहले उनकी गहन जांच करें। इसके अलावा, उन बैंक खातों की जानकारी भी दोबारा सत्यापित की जाए जिनमें कारोबारियों का पैसा भेजा जाता है। ऑटोमेटेड पेआउट सिस्टम, जिसके जरिए कंपनियां एक साथ हजारों खातों में भुगतान करती हैं, उस पर भी कड़ा नियंत्रण रखने की सलाह दी गई है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है ताकि साइबर अपराधी इन प्रणालियों का दुरुपयोग कर गलत खातों में पैसे ट्रांसफर न कर सकें। डिजिटल धोखाधड़ी का एक सामान्य तरीका एपीआई की चोरी है। एपीआई की एक गोपनीय कोड होता है जिसका उपयोग मर्चेंट का सॉफ्टवेयर भुगतान कंपनी को निर्देश देने के लिए करता है। यदि ये कोड मर्चेंट के सर्वर से चोरी हो जाते हैं, तो अपराधी इनका इस्तेमाल कर फर्जी भुगतान कर सकते हैं, जिससे असली और नकली निर्देशों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। इस खतरे को कम करने के लिए, पेमेंट कंपनियां अब अपनी एपीआई की को नियमित रूप से बदल रही हैं और सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत कर रही हैं ताकि डिजिटल लेनदेन को और भी अधिक अभेद्य बनाया जा सके। इन उपायों का लक्ष्य डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम में विश्वास बनाए रखना और ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाना है।

केंद्र के बाद राज्यों ने भी बढ़ाया महंगाई भत्ता

कई राज्यों ने भी घोषणा की, पर बकाया एरियर के भुगतान को लेकर अलग-अलग रास्ते



नई दिल्ली । दिवाली और छठ से ठीक पहले केंद्र सरकार ने अपने लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफा दिया है। महंगाई भत्ते (डीए) में 3 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा के बाद, अब यह 60 से बढ़कर 63 फीसदी हो गया है। इस फैसले के तुरंत बाद, विभिन्न राज्य सरकारों ने भी अपने कर्मचारियों का डीए बढ़ाकर त्योहारों की खुशी दोगुनी कर दी है। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी मानी गई है, जिससे देश भर में करीब 1 करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को सीधा फायदा होगा। केंद्र सरकार के इस कदम से सरकारी खजाने पर बड़ा असर पड़ेगा, लेकिन कर्मचारियों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि बढ़े हुए डीए के साथ पिछले महीनों का बकाया पैसा, यानी एरियर, उन्हें कब और किस प्रकार मिलेगा।

इस संबंध में राज्य सरकारों के बीच अलग-अलग नीतियां देखने को मिल रही हैं। एरियर भुगतान पर राज्यों की भिन्न रणनीतियाँ- एरियर भुगतान के तरीके को लेकर राज्यों में विविधता है। उदाहरण के लिए अरुणाचल प्रदेश- डीए 60 से 63 फीसदी किया गया है। बढ़ा हुआ पैसा नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से अक्टूबर तक का एरियर कर्मचारियों के बैंक खातों में नकद जमा किया जाएगा। उत्तराखंड डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ, जुलाई से 31 अक्टूबर तक का बकाया पैसा कर्मचारियों को नकद दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश- डीए 60 से 63 फीसदी हुआ है। अक्टूबर का बढ़ा हुआ डीए नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से सितंबर तक के बकाया पैसे को कर्मचारियों के पीएफ खातों में जमा करने की बात कही गई है। पंजाब- सरकार ने डीए 3 बढ़ाकर 53 फीसदी कर दिया है, जो 1 नवंबर, 2023 से प्रभावी है और दिसंबर के वेतन के साथ मिलेगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और केरल ने डीए में 2 फीसदी की बढ़ोतरी की है। कर्नाटक ने 2.5 फीसदी और बिहार, राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु जैसे राज्यों ने 3 फीसदी की वृद्धि की है। हिमाचल प्रदेश ने सबसे अधिक 5 फीसदी डीए बढ़ाया है।

जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद एनवीडिया के शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी चिप मेकिंग कंपनी एनवीडिया पिछले कुछ दिनों से अपने सीईओ से जुड़े विवादों के चलते काफी सुर्खियों में थी। कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े मामले की खबरें जैसे ही बाहर आईं, भूचाल मच गया। जेनसन इन विवादों में आए और विवादों को बढ़ता हुआ देख उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जेनसन के पद से इस्तीफा देते ही इसका असर कंपनी के शेयरों पर देखने को मिला। अमेरिकी शेयर बाजार खुलने से पहले ही कंपनी के शेयर 10 फीसदी से ज्यादा गिर गए। बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत में और गिरावट दर्ज की गई, और शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर लगभग 14 फीसदी तक टूट गए। हालांकि, बाद में गिरावट कुछ कम हुई और शेयर करीब 11.5 फीसदी नीचे कारोबार करने लगे। यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गई, जिन्होंने बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत पर करीब से नजर रखी।

पिछले कुछ दिनों से एनवीडिया के शेयर लगातार दबाव में थे। सीईओ से जुड़े विवादों और अन्य आरोपों के कारण कंपनी के शेयरों पर इसका तगड़ा असर देखने को मिल रहा था। अब इस गिरावट के कारण कंपनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी की सूची से नीचे खिसक गई है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि एक बड़े विवाद के कारण कंपनी की पूरी वैल्यू पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कंपनी ने जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर की पुष्टि स्वयं की है।

देशभर के बैंक 14 और 15 नवंबर को बंद रहेंगे

नई दिल्ली । अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाना है, तो अपनी योजना पर फिर से विचार कर लें। 13 नवंबर को भले ही कुछ राज्यों में बैंक खुले हैं, लेकिन आने वाले दिनों में छुट्टियों की लंबी कतार है। खासकर, अगले दो दिन यानी 14 और 15 नवंबर को देशभर के बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार 13 नवंबर शुक्रवार को सिर्फ मेघालय में वांगाला फेस्टिवल के कारण बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। यह गारो समुदाय का प्रमुख 100 ड्रम फेस्टिवल है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने 3,050 करोड़ में इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) ने राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) से इंटेलिस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड का 3,050 करोड़ रुपये में अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस महत्वपूर्ण सौदे से अदाणी समूह की कंपनी स्मार्ट मीटरिंग के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को मजबूत करेगी। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि इस सौदे में इंटेलिस्मार्ट की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी का अधिग्रहण और एनआईआईएफ के पास मौजूद वैकल्पिक परिवर्तनीय ऋणपत्र का भुगतान शामिल है। इंटेलिस्मार्ट बिजली के लिए उन्नत मीटरिंग बुनियादी ढांचा (एएमआई) उपलब्ध कराती है और कुछ स्मार्ट गैस मीटर भी स्थापित करती है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने 30 अक्टूबर को इस अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। इससे पहले जून में एईएसएल ने अधिग्रहण समझौते की घोषणा की थी। एनआईआईएफ भारत का संप्रभु समर्थित वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधक है, जबकि ईईएसएल बिजली मंत्रालय के तहत प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का संयुक्त उद्यम है।



न्यूयार्क में एक क्षतिग्रस्त इमारत के मलबे में काम करते हुए दमकल और पुलिस विभाग के कर्मचारी।

एनवीडिया में जेनसन हुआंग ने छोड़ा सीईओ पद, कॉलेट क्रेस बनीं अंतरिम प्रमुख

वाशिंगटन। तकनीकी दिग्गज एनवीडिया में एक बड़े नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा हुई है। लंबे समय से कंपनी का नेतृत्व कर रहे सीईओ जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एक अंग्रेजी समाचार पत्र की रिपोर्ट के बाद उठे विवादों के बाद यह कदम उठाया गया है। कंपनी ने तुरंत प्रभाव से अपनी मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी है। रिपोर्ट में जेनसन हुआंग के विवादों से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद से ही तकनीकी गलियारों में एनवीडिया को लेकर चर्चा तेज हो गई थी। यह मामला कई हफ्तों तक बढ़ता रहा, जिस पर कंपनी ने शुरुआत में अपने सीईओ पर पूरा भरोसा जताया था। हालांकि, विवादों के लगातार गहराते देख, जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। एनवीडिया ने यह भी स्पष्ट किया है कि कंपनी एक स्थायी सीईओ की तलाश करेगी, जो इसके भविष्य के विकास का नेतृत्व कर सके। जेनसन हुआंग के इस्तीफे के तुरंत बाद, एनवीडिया ने कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की। क्रेस, जो सितंबर 2013 से कंपनी की कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्यरत हैं, अब यह अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालेंगी। उनके पास सिस्को और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में फाइनेंस से जुड़े अहम पदों पर काम करने का 25 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है। पदभार संभालने के बाद कॉलेट क्रेस ने कहा कि वह जेनसन हुआंग द्वारा पिछले 33 वर्षों में बनाई गई मजबूत नींव पर आगे काम करेंगी। उन्होंने एनवीडिया के कर्मचारियों को कंपनी की असली ताकत बताया और कहा कि पूरी टीम मिलकर कंपनी को आगे बढ़ाएगी।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

मप्र में भगवान बिरसा मुण्डा जयंती का तीन दिवसीय आयोजन आज से

भोपाल। जन-नायक भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश में 14 से 16 नवम्बर तक तीन दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह आयोजित किए जाएंगे। मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम 15 नवम्बर को धार जिले के डही में होगा,जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। इस अवसर पर डही माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण भी किया जाएगा। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय,जनजातीय कार्य मंत्री कुँवर विजय शाह, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान सहित जन-प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। इसी दिन आलीराजपुर जिले के जोबट में भी कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके अतिरिक्त,14 नवम्बर को जबलपुर तथा 16 नवम्बर को खण्डवा और शहडोल जिले के ब्योहारी में जनजातीय गौरव दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम होंगे।

धरती आबा अभियान से 11,377 गांवों का समग्र विकास



भोपाल। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 2 अक्टूबर 2024 को प्रारंभ किए गए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत जनजातीय बहुल गांवों में बुनियादी सुविधाओं और आजीविका के अवसरों का विस्तार किया जा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पोषण अभियान, समग्र शिक्षा और कौशल विकास सहित विभिन्न योजनाओं का समन्वित क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान में 3.15 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 1.60 लाख से अधिक पूर्ण हो चुके हैं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत लक्षित 11,309 गांवों में से 6,396 गांवों को हर घर जल से जोड़ा गया है। 8,000 से अधिक बसाहटों में विद्युतीकरण का कार्य प्रगतिरत है। 13,305 प्रस्तावित ऑफ-ग्रिड सौर कनेक्शनों में से 7,843 तथा 63,727 स्वीकृत ऑन-ग्रिड कनेक्शनों में से 35,153 पूर्ण किए जा चुके हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत आयुष्मान योजना में 90 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि हासिल की गई है और छह मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित हैं। 66 नए आंगनवाड़ी केंद्र शुरू किए गए हैं। 104 छात्रावास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 84 का निर्माण प्रगतिरत है। डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए प्रस्तावित 305 मोबाइल टावरों में से 72 स्थापित हो चुके हैं। आजीविका संवर्धन के लिए वन अधिकार पट्टाधारकों को कृषि, मत्स्य पालन और पशुपालन योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। 14 गांवों में 86 जनजातीय होमस्टे तथा चार ट्राइबल मल्टीपरपज मार्केटिंग सेंटर प्रस्तावित हैं। छात्रावासों एवं आश्रमों के उन्नयन के लिए 447 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को वर्चुअली करेंगे संबोधित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार जनजातीय समाज के सामाजिक,आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार ने जनजातीय कल्याण योजनाओं का बजट ऐतिहासिक रूप से बढ़ाकर 47,295 करोड़ रुपये कर दिया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 6,491 करोड़ रुपये अधिक है। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) के अंतर्गत 98.30 करोड़ रुपये के विकास कार्य पूर्ण किए गए हैं, जबकि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 401.56 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया गया है।

10 लाख 47 हजार 487 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिली 10 करोड़ 30 लाख से अधिक की छूट

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल/ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल एवं ग्वालियर रीजन के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए अक्टूबर माह लाभदायक रहा। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को टाइम ऑफ डे (ToD) टैरिफ व्यवस्था के तहत सोलर आवर्स (सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक) में बिजली की खपत पर 20 प्रतिशत तक की विशेष छूट का लाभ दिया जा रहा है। इसी क्रम में अक्टूबर 2026 में कंपनी के कार्यक्षेत्र के कुल 10 लाख 47 हजार 487 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके बिजली बिलों में कुल 10 करोड़ 30 लाख 57 हजार रुपये की ञ्रश्रेष्ठ छूट का लाभ मिला। इनमें भोपाल रीजन के 8 लाख 38 हजार 826 उपभोक्ताओं को 7 करोड़ 64 लाख 90 हजार रुपये तथा ग्वालियर रीजन के 2 लाख 8 हजार 661 उपभोक्ताओं को 2 करोड़ 65 लाख 67 हजार रुपये की छूट प्रदान की गई। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे आधुनिक तकनीक का लाभ उठाते हुए अपने परिसरों में स्मार्ट मीटर लगवाएं। स्मार्ट मीटर न केवल ऊर्जा प्रबंधन को बेहतर बनाते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं को अपनी बिजली खपत पर नियंत्रण रखने और आर्थिक बचत करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि टाइम ऑफ डे (ञ्रश्रेष्ठ) टैरिफ के तहत स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को सोलर आवर्स (सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक) बिजली उपयोग करने पर ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर में 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को 20 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। स्मार्ट मीटर से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए उपभोक्ता 1912 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा श्री कैलाश कुमार चौधरी, प्रबंधक (स्मार्ट मीटरिंग सेल) से संपर्क कर सकते हैं। साथ ही Smartmeteringcellbhopal@gmail.com पर ई-मेल के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

राजधानी भोपाल का सहस्रबाहु ब्रिज आज 10 हजार दीपों से जगमगाएगा

पूजा-अर्चना,महाआरती और भव्य आतिशबाजी होगी आकर्षण का केंद्र



भोपाल। भगवान श्री राजराजेश्वर सहस्रबाहु अर्जुन के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में राजधानी भोपाल में 14 नवंबर को आस्था, भक्ति और सामाजिक एकता का अद्भुत दृश्य देखने को मिलेगा। कलचुरी सेना परिवार द्वारा कोलार रोड स्थित जेके अस्पताल गेट के सामने भगवान श्री सहस्रबाहु ब्रिज पर भव्य सहस्त्रदीपोत्सव 2026 आयोजित किया जा रहा है। कलचुरी सेना के अध्यक्ष कौशल राय ने बताया कि आयोजन में 10 हजार दीप प्रज्वलित कर सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का संदेश दिया जाएगा। शाम 6 बजे से शुरू होने वाले इस महोत्सव में विधिवत पूजा-अर्चना, दीप प्रज्वलन, महाआरती, जयघोष और भव्य आतिशबाजी मुख्य आकर्षण होंगे। कार्यक्रम संयोजक एवं कलचुरी सेना मध्यप्रदेश के प्रवक्ता राजेश राय ने बताया कि आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कलचुरी सेना परिवार ने भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों में निवासरत समाजबंधुओं से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। प्रत्येक परिवार से 21 दीपक, घी और बाती लेकर पहुंचने का आग्रह किया गया है, ताकि हर परिवार स्वयं दीप प्रज्वलित कर इस सामूहिक आयोजन का सहभागी बन सके। कलचुरी सेना अध्यक्ष कौशल राय ने कहा कि सहस्त्रदीपोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज को एक सूत्र में जोड़ने का अभियान है। जब हजारों परिवार एक साथ दीप प्रज्वलित करेंगे,तब यह दृश्य सामाजिक एकता,आत्मसम्मान और संगठनात्मक शक्ति का प्रतीक बनेगा। उन्होंने समाज के युवाओं, महिलाओं,बच्चों और वरिष्ठजनों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने का आह्वान किया। संगठन मंत्री वीरसिंह राय ने कहा कि भगवान सहस्रबाहु अर्जुन का जन्मोत्सव अपनी गौरवशाली संस्कृति,इतिहास और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे आयोजनों से सामाजिक जागरण और संगठनात्मक मजबूती को नई दिशा मिलती है। कार्यक्रम में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम की संरक्षिका श्रीमती पूनम चौकसे रहेंगी। मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय एवं भाजपा प्रदेश मंत्री सुश्री राजो मालवीय शामिल होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एलएनसीटी समूह के चेयरमैन एवं अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय नारायण चौकसे करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ.एल.एन.मालवीय, डॉ.अनुपम चौकसे,कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल आयोजन में कलचुरी सेना अध्यक्ष कौशल राय,एडवोकेट एमएल राय,वरिष्ठ नागरिक मंच की अध्यक्ष कल्पना आईडी राय,एडवोकेट राजेंद्र कुमार शिवहरे,प्रकाश राय,प्रकाश मालवीय, हरिराम राय,देवेंद्र चौकसे एवं राजाराम शिवहरे,राजन सेवईवार,सुधाकर राउत,डॉली मालवीय,सुशीला चौकसे, कमलेश राय, सहित अनेक वरिष्ठजन और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी शामिल होंगे।

सांसद जनार्दन मिश्रा के बयान के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भोपाल सांसद आलोक शर्मा का बंगला घेरा

भोपाल। मध्य प्रदेश के रीवा से भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा के किसानों को लेकर दिए गए बयान के विरोध में शुक्रवार को राजधानी भोपाल में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल शहर और किसान कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में कार्यकर्ताओं ने भोपाल सांसद आलोक शर्मा के निवास का घेराव कर उन्हें पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने मांग की कि सांसद आलोक शर्मा किसानों के सम्मान, अधिकारों और उनकी समस्याओं को संसद में उठाने के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष भी रखें। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भोपाल शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने जनार्दन मिश्रा के माफी मांगने के बावजूद उनके इस्तीफे की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि किसान सालभर मेहनत कर और कर्ज की चुनौतियों के बीच फसल पैदा करते हैं। उनके योगदान का सम्मान होना चाहिए। सांसद के बयान से किसानों की भावनाएं आहत हुई हैं। केवल माफी मांग लेने से जिम्मेदारी समाप्त नहीं हो जाती। जनार्दन मिश्रा को नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। सक्सेना ने भाजपा के उन नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाए, जो स्वयं को किसान पुत्र और किसानों का हितैषी बताते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं को भी इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। भोपाल सांसद आलोक शर्मा के निवास का घेराव करने के सवाल पर प्रवीण सक्सेना ने कहा कि भोपाल के किसानों ने उन्हें अपना प्रतिनिधि चुना है। ऐसे में किसानों के सम्मान और अधिकारों के लिए आवाज उठाना उनकी जिम्मेदारी है। कांग्रेस कार्यकर्ता उन्हें किसानों की समस्याओं के प्रति ध्यान आकर्षित कराने पहुंचे हैं। उन्होंने मांग की कि सांसद किसानों के हितों से जुड़े मुद्दे संसद में उठाएं और मुख्यमंत्री के सामने भी उनकी समस्याएं रखें। कांग्रेस की ओर से सौंपे गए पांच सूत्रीय ज्ञापन में किसानों की फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी सुनिश्चित करने, कर्जमाफी और किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने सहित अन्य मांगें रखी गईं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि किसानों के अधिकारों और सम्मान से जुड़े मुद्दों पर पार्टी अपना आंदोलन जारी रखेगी। जनार्दन मिश्रा के बयान पर माफी मांगने के बावजूद कांग्रेस का विरोध जारी है। किसान कांग्रेस पहले ही उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने, सांसद पद से इस्तीफा लेने और भाजपा से निष्कासित करने की मांग उठा चुकी है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने छठ पूजा पर्व पर दी शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सूर्यदेव की उपासना और लोकआस्था के महापर्व छठ पूजा के प्रथम दिन 'नहाय-खाय' की मंगलकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अपने संदेश में कहा है कि यह पावन अवसर सभी के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि लेकर आए। छठी मैया और भगवान सूर्यदेव की कृपा सभी पर बनी रहे और हर परिवार में आरोग्य, खुशहाली और मंगल का सदैव वास हो, बाबा महाकाल से यही प्रार्थना है। राजधानी में शुक्रवार से चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरु हो गया है। नहाय-खाय के साथ इस महापर्व की शुरूआत हुई है। व्रतियों ने सुबह प्रातःकाल उठकर नदी, तालाब या किसी पवित्र जलस्रोत में स्नान किया। उसके बाद सूर्य देव को अर्घ्य देते हैं और छठी मइया का स्मरण कर व्रत का संकल्प लिया। इसके बाद व्रतियों ने अरवा चावल,चने की दाल और लौकी की सब्जी आदि सात्विक भोजन ग्रहण किया। लोक आस्था के इस पर्व को लेकर शहर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। नगर निगम ने 54 घाटों पर साफ-सफाई,रोशनी, पेयजल और अन्य जरूरी सुविधाएं जुटाने की तैयारी की है। प्रेमपुरा, नीलबड़ और बड़ा तालाब स्थित शीतलदास की बगिया में प्रमुख आयोजन होंगे।

कोरोना योद्धाओं का पुनर्बहाली की मांग को लेकर आंदोलन तेज

भोपाल। कोरोना महामारी के दौरान करीब दो साल तक मरीजों की सेवा करने वाले मध्यप्रदेश के हजारों अस्थायी स्वास्थ्यकर्मी एक बार फिर सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज करने जा रहे हैं। नौकरी से हटाए गए इन कोरोना योद्धाओं ने अपनी पुनर्बहाली की मांग को लेकर आंदोलन को प्रदेशव्यापी रूप देने का ऐलान किया है। इसके तहत 16,17 और 18 नवंबर को भोपाल के नीलम पार्क में तीन दिवसीय महाआंदोलन किया जाएगा। मध्यप्रदेश कोविड-19 आयुष चिकित्सक संघ एवं पैरामेडिकल स्टाफ का दावा है कि इसमें प्रदेशभर से करीब 4 हजार कोरोना योद्धा परिवार सहित शामिल होंगे। ये कर्मचारी 5 अक्टूबर से नीलम पार्क में लगातार धरना दे रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अर्धनग्न प्रदर्शन किया था, जबकि महिला कर्मचारियों ने पीपीई किट पहनकर विरोध जताया था। आंदोलन में शामिल कोरोना योद्धाओं में आयुष चिकित्सक,स्टाफ नर्स, एएनएम,फार्मासिस्ट,लैब टेक्नीशियन सहित पैरामेडिकल और सपोर्ट स्टाफ के कर्मचारी शामिल हैं। इन कर्मचारियों ने कोरोना काल में कोविड सेंटरों, आईसीयू, सैंपलिंग और वैक्सीनेशन जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली थीं। संघ का कहना है कि संक्रमण के खतरे के बीच इन कर्मचारियों ने करीब दो साल तक मरीजों की देखभाल की।

प्रबंध संचालक द्वारा मिसरोद कार्यालय में निर्बाध विद्युत आपूर्ति और राजस्व वसूली को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने शुक्रवार को कंपनी के मिसरोद स्थित कार्यालय में भोपाल शहर की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, तकनीकी कार्यों और राजस्व वसूली की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराना और राजस्व लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रबंध संचालक ने उपभोक्ता इंडेक्सिंग कार्य की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक 11 केवी फीडर का सिंगल लाइन डायग्राम (SLD) तैयार किया जाए तथा उसके आधार पर वितरण ट्रांसफार्मरवार उपभोक्ता इंडेक्सिंग का कार्य सुनिश्चित किया जाए, जिससे विद्युत वितरण नेटवर्क एवं उपभोक्ताओं का सटीक विवरण उपलब्ध हो सके। प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बैठक में वितरण ट्रांसफार्मरों (DTR) से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर फेल वितरण ट्रांसफार्मरों की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया गया कि समस्त फेल डीटीआर को संबंधित एरिया स्टोर में अनिवार्य रूप से वापस जमा कराया जाए। साथ ही, डीटीआर सर्वे की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य की धीमी गति पर असंतोष व्यक्त करते हुए सर्वे कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने वितरण ट्रांसफार्मरों की रीकंडीशनिंग कार्य की प्रगति बढ़ाने एवं इसमें तेजी लाने के भी निर्देश दिये। श्री गर्ग ने राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान सक्रिय एवं निष्क्रिय (Active एवं Inactive) बकायादार उपभोक्ताओं की सूची का अवलोकन कर निर्देशित किया कि बकाया राशि की वसूली हेतु समयबद्ध एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा समस्त बकायादार उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन नियमानुसार विच्छेदित करते हुए बकाया राशि की वसूली की कार्यवाही की जाए। बैठक के दौरान प्रबंध संचालक ने अटलांटिस एवं प्राइड सिटी जैसे इनडोर उपकेंद्रों से संबंधित फीडरों के बंद होने के कारणों की जानकारी ली तथा उक्त उपकेंद्रों में स्थापित पुराने/अनुपयोगी अथवा खराब इनडोर स्विचगियर के सुधार एवं प्रतिस्थापन में आ रही समस्या के स्थायी समाधान हेतु क्रय अनुभाग के माध्यम से लागत का विश्लेषण कर इनडोर स्विचगियर से संबंधित कार्य करने वाली कंपनियों के पैनल गठन की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने 11 केवी हिनोतिया घरेलू फीडर पर अधिक संख्या में व्यवधान होने के संबंध में जानकारी लेते हुए उक्त फीडर पर किए गए रखरखाव कार्यों एवं SPEC पोर्टल पर दर्ज प्रविष्टियों की समीक्षा की गई।

मप्र सहित देशभर में मनाया जाएगा आज मातृ-पितृ भक्ति दिवस

पूर्व सांसद स्व.कैलाश नारायण सारंग की पुण्यतिथि पर वृद्धजनों का होगा सम्मान

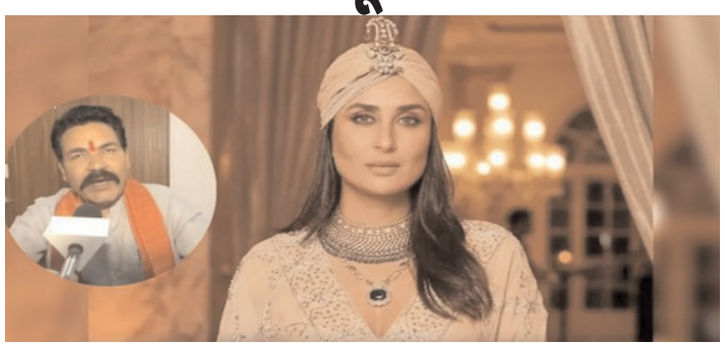
भोपाल। भाजपा के संस्थापक सदस्य,पूर्व राज्यसभा सांसद स्व. श्री कैलाश नारायण सारंग की पुण्यतिथि एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती प्रसून सारंग की जयंती 14 नवंबर को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नरेला विधानसभा सहित सम्पूर्ण देशभर में मातृ-पितृ भक्ति दिवस के रूप में मनाई जा रही है। मंत्री श्री सारंग नरेला विधानसभा के समस्त वार्डों में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर वृद्धजनों के चरण पखारकर, उन्हें शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित करेंगे। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि स्व. श्री कैलाश नारायण सारंग के अनुयायियों, प्रशंसकों एवं समर्थकों द्वारा 14 नवंबर को भोपाल शहर में विभिन्न सेवाकार्य किए जाएंगे। इसके साथ ही अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा भी देशभर में सेवाकार्य किए जाएंगे। स्व. कैलाश नारायण सारंग का संपूर्ण जीवन सेवा, संस्कार, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी उदाहरण रहा है। उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने और परिवार एवं समाज में वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि नरेला विधानसभा के समस्त वार्डों में मातृ-पितृ भक्ति दिवस का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में बुजुर्गों का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही नरेला विधानसभा सहित अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा भी देशभर में विभिन्न राज्यों में वृद्धजनों के सम्मान, स्वास्थ्य सेवा एवं जन-कल्याण से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कायस्थ महासभा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता इसके माध्यम से माता-पिता और वरिष्ठजनों के सम्मान के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाएंगे। मंत्री श्री विश्वास सारंग ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि 14 नवंबर को अपने माता-पिता एवं परिवार के सभी वरिष्ठजनों का सम्मान करें, उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। साथ ही अपने अनुभव, फोटो एवं वीडियो सोशल मीडिया पर हैशटैग #सारंगमातृपितृभक्तिदिवस के साथ और 9981222321 इस नंबर पर व्हाट्सएप्प कर अवश्य साझा करें। स्व. कैलाश नारायण सारंग ने समाज सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। उन्होंने अपने पैतृक ग्राम बरेली में वृद्धाश्रम की स्थापना कर निराश्रित एवं बेसहारा बुजुर्गों को सम्मानपूर्ण जीवन प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त किया। इसके अतिरिक्त रायसेन जिले के ग्राम घाटपिपरिया स्थित नर्मदा तट पर परिक्रमावासियों के लिए आश्रम की स्थापना कर सेवा और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

नियमितीकरण के नाम पर रिश्वत लेते छात्रावास अधीक्षक गिरफ्तार

भोपाल। प्रदेश के सीधी जिले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) रीवा की टीम ने गुरुवार रात रिश्वतखोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए छात्रावास अधीक्षक रामदरस द्विवेदी को 50 हजार रुपये लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी पतुलखी छात्रावास में पदस्थ है। उसने एक दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के नियमितीकरण के नाम पर यह राशि मांगी थी। ईओडब्ल्यू की करीब 15 सदस्यीय टीम ने एएसपी प्रभा किरण किरो के नेतृत्व में सीधी शहर के हाउसिंग बोर्ड स्थित आरोपी के आवास पर ट्रैप कार्रवाई की। रात करीब 8 बजे शुरू हुई कार्रवाई देर रात तक जारी रही। जानकारी के अनुसार, बहरी निवासी सुरेश प्रसाद द्विवेदी दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने नियमितीकरण के लिए कई बार आवेदन किया था। उनका दावा है कि नियमितीकरण की सूची में नाम आने के बावजूद उनसे प्रक्रिया आगे बढ़ाने और काम कराने के नाम पर 50 हजार रुपए की मांग की जा रही थी। बार-बार दबाव बनाए जाने से परेशान होकर उन्होंने ईओडब्ल्यू रीवा में शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता के आरोप के मुताबिक, जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त केके पांडे सीधे राशि नहीं ले रहे थे, बल्कि छात्रावास अधीक्षक रामदरस द्विवेदी के माध्यम से पैसे लेने की बात कही गई थी। शिकायत मिलने के बाद ईओडब्ल्यू ने पहले आरोपों का गोपनीय सत्यापन कराया।

करीना कपूर के समर्थन में उतरे हिंदू उत्सव समिति के चंद्रशेखर तिवारी

कांग्रेस नेता अब्बास हफीज ने भोपाल कोर्ट से करीना को भेजा कानूनी नोटिस भेजा



भोपाल। अभिनेत्री करीना कपूर खान के इंस्टाग्राम पोस्ट में कथित तौर पर कुरान की आयतों वाला पेंडेंट नजर आने के बाद विवाद बढ़ गया है। कांग्रेस नेता अब्बास हफीज ने इस पर आपत्ति जताते हुए करीना से पोस्ट हटाने और माफी मांगने की मांग की है। वहीं,हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच से जुड़े चंद्रशेखर तिवारी ने अभिनेत्री का समर्थन किया है। उनका कहना है कि करीना को इस मामले में माफी मांगने की जरूरत नहीं है। उन्होंने धार्मिक प्रतीकों और आस्था के सम्मान का हवाला देते हुए कहा कि किसी व्यक्ति को अपनी धार्मिक परंपराओं के अनुसार प्रतीक धारण करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। चंद्रशेखर तिवारी ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में अपना पेंडेंट दिखाते हुए कहा कि वे गले में मां भगवती की तस्वीर और %मां% लिखा पेंडेंट पहनते हैं। इससे उन्हें पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है। इसी तरह यदि करीना कपूर ने कुरान की आयतों वाला पेंडेंट पहना है, तो इसमें आपत्ति की क्या बात है। उन्होंने कहा कि करीना का जन्म हिंदू परिवार में हुआ है और सैफ अली खान से विवाह के बाद भी उन्हें अपनी धार्मिक आस्था और परंपराओं के पालन की स्वतंत्रता है। तिवारी के मुताबिक,दीपावली के दिन करीना ने पूजन किया और इस दौरान यह पेंडेंट पहना था। इसमें किसी तरह की गलत बात नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने मुस्लिम बच्चों को चांद-सितारे वाले पेंडेंट और ताबीज पहने देखा है। ताबीज में क्या लिखा है,यह भी कई बार पता नहीं होता। उनके अनुसार,करीना के मामले में आपत्ति की एक वजह दीपावली के दिन पेंडेंट पहनना भी हो सकती है। करीना कपूर को माफी मांगनी चाहिए या नहीं,इस सवाल पर तिवारी ने कहा कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने अभिनेत्री के समर्थन में कहा कि हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच भी उनके साथ हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस नेता अब्बास हफीज ने भोपाल कोर्ट के माध्यम से अपने वकील के जरिए करीना कपूर को कानूनी नोटिस भेजा है। उन्होंने पेंडेंट में लिखी कुरान की आयतों को धार्मिक आस्था से जुड़ा बताते हुए उन्हें फैशन के तौर पर प्रदर्शित करने पर आपत्ति जताई है। नोटिस में संबंधित पोस्ट हटाने, माफी मांगने और भविष्य में ऐसी गलती नहीं दोहराने की मांग की गई है। अब्बास हफीज के वकील एडवोकेट जफर राजा ने स्पष्ट किया कि उनकी आपत्ति करीना कपूर के पेंडेंट पहनने को लेकर नहीं,बल्कि उस पर लिखी कुरान की आयत को सोशल मीडिया पर प्रदर्शित करने को लेकर है।

मध्यप्रदेश में अमूल के बाद सांची दूध भी 4 रुपए प्रति लीटर महंगा

आज से नई दरें लागू,अब एक लीटर फुल क्रीम दूध 74 रुपए में मिलेगा

भोपाल। मध्य प्रदेश में दूध उपभोक्ताओं को अब पैकेट वाले दूध के लिए ज्यादा कीमत चुकानी होगी। अमूल के बाद प्रदेश के प्रमुख दुग्ध ब्रांड सांची ने भी दूध के दाम बढ़ा दिए हैं। सांची के अलग-अलग वेरिएंट की कीमतों में 4 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। नई दरें शनिवार, 14 नवंबर से लागू होंगी। भोपाल के साथ इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर और बुंदेलखंड दुग्ध संघों ने भी कीमतों में संशोधन किया है। दूध की कीमतें बढ़ाने के पीछे पैकिंग मटेरियल और परिवहन खर्च में हुई बढ़ोतरी को वजह बताया गया है। दुग्ध संघों के मुताबिक, बढ़ती परिचालन लागत के बीच वित्तीय स्थिति संतुलित बनाए रखने के लिए पैक्ड दूध के उपभोक्ता मूल्य में वृद्धि जरूरी हो गई थी। इससे पहले अमूल ने 12 नवंबर से अपने दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की थी। मध्य प्रदेश में पैक्ड दूध की बिक्री के मामले में सांची की सबसे ज्यादा खपत है। भोपाल में खुले दूध की रोजाना खपत करीब 6 से 8 लाख लीटर है। वहीं, पैकेट वाले दूध में सांची की औसतन 3 लाख लीटर प्रतिदिन बिक्री होती है। अमूल की रोजाना खपत करीब 80 हजार लीटर है। इसके अलावा सौरभ,श्रीधी और मदर डेयरी के दूध की भी बाजार में बिक्री होती है। सौरभ और श्रीधी की संयुक्त खपत करीब एक लाख लीटर प्रतिदिन है। इनकी सप्लाई भोपाल शहर के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी होती है। अमूल ने 12 नवंबर से दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। इसके बाद अमूल गोल्ड का एक लीटर पैकेट 70 से बढ़कर 74 रुपए और अमूल फ्रेश 57 से बढ़कर 59 रुपए हो गया है। अमूल की कीमतों में बढ़ोतरी के अगले दिन यानी 13 नवंबर को सांची ने भी नई दरें लागू करने का आदेश जारी किया। मदर डेयरी ने नई दिल्ली में दूध की कीमतें बढ़ाई हैं, लेकिन मध्यप्रदेश में फिलहाल इसके दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।